

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]

नई बिल्ली, शनिवार, मार्च 18, 1978 (फाल्गन 27, 1899)

No. 11]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 18, 1978 (PHALGUNA 27, 1899)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III--वण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० पी०-1776/प्रशा०-II--संगणन विज्ञान एकक, भार-तीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता के भृतपूर्व लेक्चरर श्री के०एस० नायक, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-76, 9-6-76, 23-2-77 स्रोर 23-9-77 ब्रारा 2-3-76 से 28-2-78 तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में पहले प्रोग्नेमर अब वरिष्ठ प्रोग्नेमर के रूप में पुनः पदनामित के पद पर नियुक्त किया गयाथा, को 1--3-78 से दो महीने की अतिरिक्त अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उमत पद पर कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की गई है।

> प्र० ना० मृखर्जी, अवर सचिव कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (1)--इस कार्यालय - प्रधिसूचना सं० ए० 32014/1/77−प्र० III की समसंख्यक 1-506GT/77

दिनांक 19-1-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्दीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 11-2-78 से 28-2-78 तक की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिये, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिय नियुक्त किया गया है।

> प्रभात नाथ मुखर्जी, ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी)

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुदा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० ए० /11/1/78---निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन अधि-कारी विनांक 26-12-77 से श्रगले श्रादेशों तक के लिये प्रवर्तन ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किये गए हैं । उनकी

(1391)

नियुक्ति के स्थान नीचे दिये गये हैं :						
क्र०सं० नाम	नियुक्ति का स्थान					
1. श्रीमती मेरी कुट्टी थामस	प्रवर्तन निदेशालय, मुख्यालय कार्यालय,  नई   दिल्ली ।					
2. श्रीके० वी० कुरुविला .	प्रवर्तन निदेशालय, बम्बई सेंह्रीय कार्यालय, बम्बई।					
3. श्री बी० सी० गुहा .	प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय, कलकक्षा ।					
	——————————————————————————————————————					

जे० एन० श्ररोड़ा, उप निदेशक (प्रशासन)

#### गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1978

सं० पी० 70/67-प्रशा०-5-साह जांच श्रायोग से प्रत्या-वर्तन हो जाने पर, राष्ट्रपति जी अपने प्रसाद से मध्य प्रदेश संवर्ग के ग्राखिल भारतीय पुलिस सेवा के श्रीधकारी श्री पी० सी० श्रीवास्त्व को दिनांक 1-2-78 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय श्रश्चेषण ब्यूरो में पुलिस सहायक महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19015/2/78-प्रणा०-5--राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से गृह मंत्रालय के अनुभाग अधिकारी श्री नरेन्द वर्मा को दिनांक 13-2-78 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश तक के लिये केन्दीय श्रन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना), नई दिल्ली में श्रनुभाग श्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० ए०-31014/2/77-प्रशासन-1-केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा श्रपील) नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री के० एस० मथाई को दिनांक 1-12-1977 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में मूल रूप से कार्यालय श्रधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं० नाम	नाम पद-स्थापन का स्थ वर्तमान स्थान ग्रे		केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो की शाखा जहां कार्यालय ग्रधीक्षक के स्थायी पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखा गया		
1. श्री के० एस० मथाई	बम्बई	मुख्य लिपिक-व-लेखापाल 12-5-1971	मुख्यालय		

#### दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० एन० 34/65—प्रणा०-5—श्री एन० बी० जुडेजा, पुलिस उप प्रधीक्षक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो, सी० प्राई० यू० (1) नई दिल्ली (जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में था) की सेवाएं दिनांक 10-1-78 के प्रपराह्म से गुजरात राज्य सरकार को सींप दी गई हैं।

ए० के० हुई, प्रमा० श्रधिकारी (स्था०)

महानिवेशालय केन्दीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० स्रो०-II-979/74-स्था०--राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा स्रधिकारी डा० सन्जोय कुमार रे, 38 बटालियन केन्दीय रिजर्व पुतिस बज, का त्यागपत्न दिनांक 31-1-1978 स्रपराह्न से स्वीकृत कर किया।

सं० ओ >-11-1046/76-स्था०--महानिदेशक केन्दीय रिजर्व पुलित बन ने डाक्टर कोशी एयापन को 1-2-78 के पूर्वाह्म से केवल तोन माह के जिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्दीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ग्रो०—II—1081/78—स्था०—-राष्ट्रपति, डाक्टर विजय कुमार कोडाली को श्रस्थाई रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्दीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ग्रो० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 13—2—78 पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहा० निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्दीय **धौद्यो**गिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 21 फरवरी 1978 सं० ई० 16014/1/18/73-कार्मिक---श्री वि० वि० सर-दाना ने 25 जनवरी, 1978 के श्रपराह्न से बम्बई हवाई श्रहुा के कमांडेंट के पद (मुख्यालय नई दिल्ली) का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर उन्होंने उसी तारोख से सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक) के० औ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल सिया। सं० ई० 28013/1/78-कार्मिक--निवर्तन की भ्रायु होने पर श्री जी० ग्रार० खोसला ने 31 जनवरी, 1978 के श्रपराह्म से के० औ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व, नई दिल्ली सं० 1 श्रीर 2 के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-28013/1/78-कार्मिक---निवर्तन की श्रायु होने पर श्री टी० पी० बासु ने 31 जनवरी, 1978 के श्रपराह्म से के० औं ० सु० ब०इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

> ली० सिं० बिष्ट, महानिरीक्षक (के० औं ० सु० क०)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 25/60/72-म० प्र०(प्रशा०-I)--श्री बी० घोष ने तारीख 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म को पश्चिम बंगाल में पदेन श्राधार पर धारित जनगणना कार्य निदेशक के पद का कार्य-मार छोड़ विया।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-1100011, दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 2/1/75-म० प्र० (प्रशा०-1)--राष्ट्रपति, श्री एच० मजूमवार को त्रिपुरा में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 6 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले श्रादेशों तक अस्थायी तौर पर उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय अगरतला में होगा।

2. श्री मजूमदार को उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तारीख 1 श्रक्टूबर, 1975 से, श्रश्नित् वह तारीख जिससे सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेड में उनसे कनिष्ठ श्री नरसिम्ह मूर्ती को उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पक्षे-भ्रत किया गया था, उप-निदेशक के पद पर "नोसनल" पदोश्नित श्रनुक्तात की जाती है।

बद्री नाथ, भारत के उप महापंजीकार और भारत सरकार के पदेन उप-सचिव

रक्षा मंद्रालय भारतीय श्रार्डनैंस फैक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० 6/77/ए०/एम०—सं० 375/ए०/एम० दिनांक 26— 12—1977 के अन्तर्गत जारी किए गए मसौदा राजपत्न अधिसूचना सं० 5/77/ए०/एम० में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

क्रम सं० 5 फैक्टरी के सामने

वास्ते—अम्युनिशन फैक्टरी, खड़की

पढ़ा जाए—आर्डनैन्स फैक्टरी, खमरिया

सं० 7/77/ए०/एम०---सं० 375/ए०/एम० दिनांक <math>26-12-1977 के ग्रन्तर्गत जारी किया गया मसौदा गजट श्रधिसूचना सं० 4/77/ए०/एम० में निम्निखित संशोधन किया जाता है:--

कम संख्या 8 फैक्टरी के सामने वास्ते—आर्डनैन्स फैक्टरी, भुसावल पढ़ें—आर्डनैस फैक्टरी, वरणगांव

सं० 8/77/ए०/एम०—तारीख 29-12-1977 के 375/ए०/एम० संख्यक पक्ष द्वारा जारी किये गये मसौदा राजपत्न प्रधिसूचना सं० <math>2/77/ए०/एम० में निम्निलिखित संशोधन किया जाता है:—

कम संख्या 11 तारीख के सामने वास्ते---29-9-1977 पता जाए---27-8-1977

> ले० कर्नल (ए० के० गुप्ता) डी०डी०एच०एस० इस्ते महानिक्षेणक, आर्डनैन्स फैक्टरियां (डी०एच०एस० छुट्टी पर)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय आयात और निर्यात व्यापार नियन्त्रण नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1978 स्थापना

सं० 6/502/56-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय के वर्ग 1 में स्थाई ग्रधिकारी,श्री ग्राई० बी० चुनकत को 1-9-77 से 17-10-77 तक उसी वर्ग की प्रवर श्रेणी में नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री माई० बी० चुनकत को मुख्य नियंक्षक, म्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई विल्ली में उपर्युक्त भवधि के लिये संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

> का० वें० शेषाद्रि, मृस्य नियंत्रक आयात निर्यात

उद्योग मंत्रालय

उद्योग विकास विभाग

वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० सी० एल० बी० 1/12/6—जी०/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) श्रावेश, 1948 के खंड 34 में प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करसे हुए श्रीर केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्द्वारा वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना संख्या सी० एल० बी० 1/1/6जी०/71

दनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित ग्रतिरिक्त संशोधन करता हूं, प्रथातः--

उक्त ग्रिधसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 12 के सामने स्तंभ 2, 3 ग्रीर 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न-लिखित प्रतिस्थापित की जाएंगी श्रर्थात्:—

1		2		- \		3	4
"12	(1)	निदेशक उद्योग, पंजाब .		_		पंजाब	12(6), 12(6ए), 12(7ए), 12 (7ए ए), 12 सी श्रीर 12 ई।
	(2)	राज्य वस्त्र ग्रधिकारी,पंजाब		-		11	n
	(3)	संयुक्त निदेशक उद्योग, पंजाब				1)	17
	(4)	सहायक निदेशक उद्योग, पंजाब				n	12(6) श्रीर 12(सी)
	(5)	वस्त्र प्रधिकारी विपणन एवं विक	ास पंजाब, १	प्रमृतर	<b>र</b>	11	12 (7 ए)
	(6)	सभी बरिष्ठ जिला उद्योग श्रिधि	न <mark>री/सभी</mark> वि	ग्ल <u>ा</u> ः	उद्योग	पंजाब में उन से	12 (6), 12 (7ए) भ्रौर 12 सी
	, ,	श्रधिकारी/जिलों के प्रभारी परियं				संबंधित जिलों में	. , ,
		(उद्योग) ।					

सं० 18 (1)/77/सी० एल० बी०--II—बस्त्र (शक्तिचालित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण श्रादेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र ग्रायुक्त की ग्रिधसूचना संख्या 15(2)/67--सी० एल० बी० II/बी० दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित श्रितिरिक्त संशोधन करता हूं, ग्रियांत्:--

उत्तत ग्रिधिसूचना से संलग्न सारणी में ऋम संख्या 12 के सामने स्तंभ 2,3 श्रीर 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न-लिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	- <u></u>	3	4
"12	(1) निदेशक उद्योग, पंजाब			6, 6सी, 7ए, 8 श्रौर 8ए
	(2) राज्य वस्त्र श्रधिकारी,पंजाब .		$\boldsymbol{n}$	"
	(3) संयुक्त निदेशक उद्योग, पंजाब .		11	"
	(4) सहायक निदेशक उद्योग, पंजाब .		11	6 भौर 7 ए
	( 5) सभी वरिष्ठ जिला उद्योग श्रधिकारी/स			6 ग्रीर ७ ए
	ग्रधिकारी/जिलों के प्रभारी परियोज	ना श्रधिकारी	श्रधिकार क्षेत्र में	
	(उद्योग) ।			

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन प्रनुभाग---1)

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1978

स० प्र०-1/1 (423)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान मह निदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड-

III के अधिकारी श्री भारत भूषण को दिनांक 9 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म से तथा अगामी शादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा प्रुप ए के ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० प्र०-1/42 (41)-IV—-राष्ट्रपति निम्नलिखित श्रिधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख सहायक निदे-शक (ग्रेड-1) (भारतीय पुलिस सेवा के ग्रुप ए के ग्रेड-III) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

क्रम सं० श्रधिकारी का नाम			वर्तमान पद	स्थायी होने की तारीख	श्रभ्युक्तियां
सर्वश्री	-				
<ol> <li>ग्रार० सी० बदलानी</li> </ol>			उप निदेशक	31-1-1969	_
2. श्याम किशोर मलिक		•	उप निदेशक	31-1-1969	~
3. जी० रामन		<u>.</u>	सहायक निदेशक (ग्रेड-1)	30-3-1971	-

सं० प्र०-1/1 (648)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली के स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) श्री एम० सुन्दरारामन के श्रवकाश पर जाने पर दिनांक 9-12-77, (श्रपराह्न) से उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रेड II) के पद पर पदावनत हो गये।

2. राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप निदेशाक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II) श्री एम० सुन्दरारामन को दिनांक 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानाप स रूप से नियुक्त करते हैं।

#### विनाक 27 फरवरी 1978

सं० प्र०→1/1 (1080)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर एतद्वारा निम्निलिखित अधिकारियों को दिनांक 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से श्रौर श्रागामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड 11) (प्रशिक्षण श्रारक्षी) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

- 1. श्री सी० श्रहमुगम
- 2. श्री एस० के० चट्टोपाध्याय

### (प्रशासन शाखा-6)

सं० प्र०-6/247 (459)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान उत्तरी निरीक्षण मण्डल नई दिल्ली में भण्डार परीक्षक (इन्जी) श्री ग्रो० एन० लक्करी को दिनांक 18 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से ग्रागमी ग्रादेणों के जारी होने तक कलकत्ता निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण ग्रिधकारी (इन्जी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०/17011/123/77-प्र०-6-वर्नपुर निरीक्षणालय के अधीन उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु) श्री एस० सेन का दिनांक 15-1-78 को देहान्त हो गया।

सं० प्र०-6/247 (618)—इस महानिदेशालय के प्रधीन निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में महायक निरीक्षण प्रधिकारी (इन्जी) श्री एस० सी० मिहान का दिनांक 3-1-1978 को देहान्त हो गया।

#### दिनांक 18 फरवरी 1678

सं० प्र०-6/247 (261)/71-III — सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) और इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक (धातु) बर्नपुर के कार्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) धातु कर्मशाला के ग्रेड-III में स्थानापन्न सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री एस० के० सरकार का 30-1-78 को देहान्त हो गया।

सूर्य प्रकाश, उपनिदेशक (प्रशा०) इते महानिदेशक पूर्ति तथा निषटान

### इस्पात भ्रौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

### भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० 1477/बी०/2181 (जी० एन० एस०)/19 बी०— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री जी० एन० सचन को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाश्रों से, 14-9-77 के श्रपराह्म से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) मे रसायनक्ष के रूप मे, श्रपने नये नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

### दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 1657/बी०/2181 (डी० एम०)/19-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री दीनबन्ध मिश्रा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाछो से त्यागपत्र देने पर 23-11-1977 के पूर्वाह्म से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे हिन्दुस्तान इस्पात लिमिटेड, राऊरकेला म, रसायनज्ञ के रूप में अपनी नई नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

बी० एस० कृष्णस्वामी, महानिवेशक

### श्राकाशवाणी महानिदेशासय

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० ए० 31014/2/77-एस०-पांच--महानिदेशक, श्राकाण-वाणी, श्री डी० एस० नगरसेन्कर, श्राकाणवाणी के एक स्थाई प्रशासन श्रधकारी (कनिष्ठ ग्रेड) जो श्राजकल केन्दीय विकय एकक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, श्राकाणवाणी, बम्बई मे उप निदेशक (लेखा) के पद पर कार्य कर रहे हैं, को श्राकाणवाणी महानिदेशालय में 9-2-78 से लेखा निरीक्षक के मूल पद पर नियुक्त करते हैं। एस० वी० सेषाद्रि, श्रशासन उप निदेशक

कृत दहानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 4 (30)/77-एस०-I--महानिदेशक, आकाणवाणी, एतद्भारा श्री कुमार चटर्जी को आकाणवाणी राजकोट में 31-1-1978 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज, प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महनिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1978

सं० ए० 19020/26/76-प्रशा०-1-सेवा निवृत्ति की श्रायु हो जाने के फलस्वरूप विलिगडन श्रस्पताल, नई दिल्ली के

प्रशासन अधिकारी श्री टी॰ एन॰ कुप्पूरुवामी 31 जनवरी, 1978 प्रपराह्म से भारत सरकार की सेग से, सेवा निवृत्त ही गये हैं। शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्र॰

> कृषि और सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) कार्यालय निदेशक/समेक्ति मीन **उद्यो**ग कोचीन-16, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० ए० 2/7-110/65—श्री कें एस० जार्ज विन्सेंट पर्यंक्षेक्षक (बिजली) को 28-10-1977 के पूर्वाह्म से समेकित मीन उद्योग में श्रस्थाई हैसियत से 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में जी० सी० एस० श्रेणी-2 (राजपवित्र) सहायक इंजीनियर (विद्युत्) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

**बी० कृष्णामूर्ति, निदेशक** 

# परमाणु ऊर्जा विभाग तारापुर परमाणु विजलीघर

टी ए पी पी थाना-401504, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76-म्रार--परमाणु कर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य ग्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के एक ग्रस्थाई सहायक लेखाकार श्री वाई० ग्रार० वेलंकार की, 16-11-1977 से ग्रगले ग्रावेण तक के लिये विशुद्धतः तदर्थं ग्राधारपर उसी बिजली घर में सहायक लेखा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

्ए० डी० देसाई, मुख्य प्रशा० श्रधिकारी

रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र कलपक्कम, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० श्रार० श्रार० सी०/पी० एफ०/3056/78-3122रिएक्टर श्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, परमाणु ऊर्जा
विभाग के सहायक कार्मिक श्रधिकारियों/सहायक प्रशासनिक
श्रधिकारियों के केन्द्रीकृत संवर्ग के एक स्थानापन्न सहायक कार्मिक
श्रधिकारी श्री रामास्वामी नाराययन को, उनका तबादला भाभा
परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, कलपक्कम की श्रपणिष्ट पदार्थ प्रबन्धन
सुविधा से हो जाने पर, रिएक्टर श्रनुसंधान केन्द्र में, 21 जनवरी,
1978 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश तक के लिये, सहायक प्रशासनिक
अधिकारी के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

न्नार० एच० षण्मुखम, प्रशासनिक म्रधिकारी, कृते परियोजना निवेशक

ग्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय ग्रन्तरिक्ष त्रनुसंधान संगठन शारकेन्द्र

श्रीहरिकोटा, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

र्सं० एस० सी० एफ०. पी० एण्ड जी० ए०/स्थापना--1-72---निदेशक, णार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में श्री च० भास्कर सुख्या राव को इंजी नियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 श्रक्टूबर, 1977 के पूर्वान्त से श्रागामी श्रादेशों तक पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

> स्रार० गोपालारत्नम, प्रधान, का० तथा सा० प्र० कृते निदेशक,

श्रीहरिकोटा, दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० एस० सी० एफ०: पी० एण्ड जी० ए० -स्था०-1-72 निदेशक, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में श्रीपी० नटराजन को इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 श्रक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

श्रार० गोवालारत्नम, प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई विल्ली-3, दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० ई० (1) 04185—निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री ए० सी० पाल निवर्तन की स्रायु पर पहुंचने पर 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुखराम गुप्ता, मौसम विज्ञानी (स्था०) कृते वेधशालाभों के महानिक्षेशक

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० ए०-35018/2/78-ई-I—राष्ट्रपति ने श्री टी० बी० राजेक्बर, ग्राई० पी० एस० (ए० पी०-1949) को दितांक 18 जनवरी, 1978 से प्रारम्भ में एक वर्ष की ग्रवधि के लिये नागर विमानन विभाग में ए० 2500-125/2-2750 के वेतनमान में नागर विमानन सुरक्षा समन्वयक के पद पर नियुक्त किया है।

प्रेमचन्द जैन, सहायक निदेशक प्रशासन, इते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० ए०-32013/2/77-ई०-I(i)--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री बी० रामासुब्रह्मण्यम्, निदेशक प्रशिक्षण ग्रौर ग्रनुज्ञापन को दिनांक, 31-1-1978 (ग्रपराह्न) से एक वर्ष की श्रवधि के लिये श्रथवा निदेशक योजना एवं मूल्यांकन के पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग के संचार निदेशालय में तदर्थ ग्राधार पर नियेशक योजना ग्रौर मूल्यांकन के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32013/2/77-ई०-I (ii)---राष्ट्रपति, ने श्री जे० एस० कपूर, उपनिदेशक (टिरफ जांच) को दिनांक

31-1-1978 (अपराह्म) से एक वर्ष की अवधि के लिये अपवा जब तक संचार निवेशालय में निवेशक योजना और मूल्यांकन का पद तदर्थ आधार पर स्थांनान्तरण द्वारा भरा रहता है, इन में से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर निवेशक प्रशिक्षण एवं अनुज्ञापन के पद पर नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द जैन, सहायक निदेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए०-39012/2/77-ई० सी०--राष्ट्रपति ने नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बंबई के कार्यालय के श्री ग्रार० के० टण्डन, तकनीकी ग्रधिकारी का त्यागपत्न दिनांक 27-10-77 (ग्रपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

#### दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० ए०-32013/16/76-ई० सी०--राष्ट्रपति ते निम्न-लिखित तीन सहायक संचार ऋधिकारियों को, जो इस समय तदर्थ आधार पर संचार ऋधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में विनांक 12-12-77 (पूर्वाद्ध) से तथा अन्य ऋदिण होने तक, नियमित ऋधार पर संचार शिध-कारी क रूप में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है:--

क० नाम सं०	तैनाती स्टेशन एवं कार्यालय
1. श्री जे० एन० लांस	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
2. श्रीबी० ए० बेल्लिश्रप्पा	प्रभारी ग्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलूर।
3. श्री कें० एस० गोपालन	नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास ।

### दिनांक 23 फरवरी 1678

सं० ए० 32013/10/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री गी० डी० खन्ना सहायक तकनीकी श्रीधकारी, वैमानिक संचार म्टेशन, सहदर्जंग एवरपोर्ट, नई दिल्ली को दिनाक 18-1-78 (पूर्वास्त्र) से श्रीर श्रगले श्रादेश होने तक नियमित रूप से तकतीकी श्राधकारी के ग्रेड म नियुक्त किया है श्रीर उन्हे उमी स्टेशन पर तैनात किया है।

मं० ए० 12025/1/77-ई० सी०-- ाष्ट्रपात ने धी देवेन्द्र सिंह को नागर विमानन विभाग के वैम निक संधार संगटन में दिनाक 24-1-78 (पूर्वास्त्र) से श्रीर श्रन्थ श्रादेश होने तक स्थान पत्र रूप से पंचार श्रधिकारी के पर पर नियुका किया है और उन्हें बैम निक संचार स्टेशन, वश्वर्क एयरपोर्ट, वश्वर्क में तैनात किया है।

> मत्य देव शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन

### नईदिल्ली, दिनाक 21 फरवरी 1978

सं० ए० 12025/7/75-ई० एस०—राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा आयोग की सिकारिश पर श्री पी० एम० गोयल को नागर विमानन विभाग में दिनांक 30-1-1678 से और अन्य आदेश होने तक स्थानापक रूप से विमान निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें वरिष्ट विमान निरीक्षण को वैमानिक निरीक्षण कार्यालय, लखनऊ एयरपोर्ट, लखनऊ के कार्यालय में तैनात किया है।

सुरजीत लाल खां**डपुर**, सह्यक निदेशक प्रशासन

## केन्द्रीय उत्त्पाद णुल्क समाहर्तालय कानपुर, दिनांक 6 श्रगस्त 1977

सं 104/77--इस समाहर्नालय के पृष्ठीकन स्पन्न सं 11(3) काफला/91/75/एच० ए० सी०/पार्ट/3016 दिनांक 20-12 75 के अन्तंगत नोटिस के बदले 3 माह के बेतन ग्रीर भक्ते देकर, स्थ० भ्रार० 56 (जे०) के श्रर्न्तगत दिनांक 23-12-75 (ग्रपराह्म) को ग्रनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त किये गये तथा केन्दीय उत्पाद शुल्क कानपुर प्रथम मण्डल शें पहले पदस्थाति श्री जगदीश सिंह अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गुप **(खा**) श्रपने पद का का**र्यभा**र दिनांक 23-12-75 (प्रपराह्म) को श्री टी० एन० विसारिया ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर प्रथम मण्डल को सौंप कर सरकारी सेवा मे दिनांक 23-12-75 (ग्रपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये । वह ग्रनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद भी दिनांक 18-10-75 तक छुट्टी पर रहे। उन्हें अवकाश की उस अवधि को छोड़कर जो उस अवधि के साथ चलती है जिसके लिए नोटिस के बदले वेतन श्रीर भक्ते दिवे जा चुके हैं, केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रवकाश) नियम(यली 1972 के नियम 40 (7) (ए) में दी गई ब्यवस्था के अनुसार अवकाण वेतन जिसमें पेशन तथा सेवा निवक्ति की अन्य प्रसुविधाओं के बराबर पेंशन की धनराशि घटी होंगी, मिलेगा। एसी श्रवधि के लियें श्रवकाण वेतन स्वीकार नहीं है।

मं० 105/77—हम कार्शना के प्टांकन स० 11(3) कांपला/61/75/एच० ए० मी०/पार्ट/ 3020 दिनाक 20-12-75 के अन्तर्गत नोटिम के बदले 3 माह के बेतन एवं भत्ते देकर एफ० आर० 59 (जे०) के अन्तर्गत दिनाक 23-12-75 (अपराक्ष) को अनिवार्य रूप से सेवा विवृत्ति किये गये तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कानपुर में पहले पदस्थापित श्री सुरेन्द्र मिश्रा, श्रिधक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप ख ने

मपने पद का कार्यभार दिनांक 23-12-75 (प्रपराह्म) को छोड़कर सरकारी सेवा से दिनांक 23-12-75 (प्रपराह्म) को संशा निवृत्ति को संशा निवृत्ति को नारीख के बाद भी दिनांक 13-10-77 तक छुट्टी पर रहेंगे ग्रीर उन्हें अवकाण की उस श्रविध को छोड़कर जो उस अवधि के साथ चलती है जिसके लिये नोटिस के बदले वेतन ग्रीर भत्ते दिये जा चुके हैं, केन्द्रीय सिविल सेवा (अवकाण) नियमावली 1972 के नियम 40/(7) (ए) में ही गई

व्यवस्था के अनुसार अवकाश वेतन, जिसमे पेंशन तथाँ सेवा निवृत्त की अन्य प्रसुविधाओं के बराबर पेशन को धनराशि घटी होगी, मिलेगा । ऐसी अविधि के लिये अवकाश वेतन स्वीकार नहीं है।

> के० एस० दिलिप सिंह जी, समाहर्ता

कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश इन्दौर 452001, दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 1/78—िनम्निलिखित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे॰) की श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद-पर पदोन्नत होने पर, उन्होंने उनके नाम के सामने दर्शाए तिथि से श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद के कार्यभार ग्रहण किए।

ग्र० क०	श्रधिकारी का नाम			तैनात का पद	कार्यभार ग्रहण ति	ा करने की थि
1. व्ही	० के० होडा	•	•	শ্रधीक्षक (म्र० म्रा० नि०) निर्धारण रेंज नं० <sup>II</sup> ,   मुख्यालय इन्दौर।	16-1-78	(पूर्वाह्न)
2. एम	० बी० म्राठले			ग्रधीक्षक ब० ग्र० रेंज, <sup>IV</sup> इन्दौर ।	16-1-78	(पूर्वाह्न)
3. जी	० एन० मारकांडे		•	श्रधीक्षक (सां०) म० प्र० समाहर्तालय स्थित नागपुर।	17-1-78	(पूर्वाह्न)
4. पी०	· एन० डांगे			ग्रधीक्षक (ले० प०) मु <del>ख</del> ्यालय, <b>इन्दौ</b> र ।	16-1-78	(पूर्वाह्न)
5. के०	एल० श्रीवास्तव			श्रधीक्षक, ब० ग्र० रेंज ${f I}$ , ग्वालियर ।	16-1-78	(पूर्वाह्न)
6. एस	० सी० श्रीवास्तव			श्रधीक्षक रायपुर भ्राउटर–II	23-1-78	(पूर्वाह्न)
7. एम	० पी० मैलारपवार	•	·	ग्रधीक्षक (ग्र० म्रा० नि०) निर्धारण रेंज नं० V प्रभाग, रायपुर ।	30-1-78	(पूर्वाह्न)
8. एन	० के <b>० दी</b> भाण	•		<b>प्रधीक्षक, श्रायसोलेटेट रेंजेंस चाम्पा</b>	16-1-78	(ग्रपर <del>ाह्न</del> )
9. भ्रार	• डी० मल्होता			<del>प्रधीक्षक, ग्रायसोलेटेट रेंजेस,</del> धार	21-1-78	(पूर्वाह्म)
10. एम	· रशीद		•	ग्रधीक्षक $\left( \Pi  ight)$ रेंजेंस प्रभाग, इन्दौर	16-1-78	(पूर्वाह्न)
	बी०एस० पवार			प्र <b>धीक्षक, दुर्ग</b>	24-1-78	(पूर्वाह्न)

मनजीत सिंह बिन्द्रा, समाहर्ता

# नौवहन ग्रौर परिषहन मंत्रालय

### नौवहन महानिदेशालय

### बम्बई-400038, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं०-6(5)/सी० आर० ए०/77—नौबह्न महानिदेशक, बम्बई एतद्द्वारा श्री होनाझिग शिथुन्ग को तारीख 9 जनवरी 1978 पूर्वाह्म से प्रगले श्रादेशों तक स्थानापन्न सहायक निदेशक नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० वाला, नौवहन उप महानिवेशक

#### केन्द्रीय जल श्रायोग

#### नई दिल्ली 22, दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० क-19012/639/77 प्रणा० पाच—संघ लोक सेवा प्रायोग की सिकारिकों पर प्रध्यक्ष केन्द्रीय जल प्रायोग श्री हरेन्द्र नाथ डक्वा को केन्द्रीय जल प्रायोग मे अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के रूप मे 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 र० के वेतनमान में 4 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री डक्वा ने केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान संगठन, केन्द्रीय

जल ग्रायोग, पटना में त्रितिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) का कार्यभार संभाला।

- 3. श्री उक्वा दिनांक 4-1-78 से दो वर्ष की स्रविधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।
- 4. श्री डी० एस० मदान, वरिष्ठ ब्यावसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) जिन्हें तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में स्रितिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के रूप में नियुक्त किया गया था दिनांक 4-1-78 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ व्याव-सायिक सहायक (हाइड्रोमेट) के पद पर प्रत्यावर्तित हो गये हैं।

जे० के० साहा श्रवर सभिव केन्द्रीय जल श्रायोग

### निर्माण महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० 27/42/77 ई० सी० 9—राष्ट्रपति, श्री दीपक रंजन सन वास्तुक, संलग्न बरिष्ठ वास्तुक (उ० अं०) 10, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई विल्ली द्वारा प्रदत्त त्यागपत्न इस श्रिधसूचना के जारी किए जाने की तारीं ख से स्व्हीकर करते हैं।

### दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 27/3/78-ई० सी० 6--निर्माण महानिदेशक, निर्माण महानिदेशक्य, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नामित श्रीमती चन्दा बनर्जी को के० लो० नि० वि० में सहायक वास्तुक (सामान्य केन्द्रीय सिविल सेवाएं ग्रुप 'ख') के श्रस्थायी पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-100-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में ६० 810 प्रति मास वेतन पर, दिनांक 6-2-78 (पूर्वाह्म) से सामान्य शर्तों के ग्रिधीन नियुक्त करते हैं।

- 2. श्रीमती चन्द्रा बनर्जी को 6-2-78 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष की परिजीक्षा श्रवधि पर रखा गया है।
- 3. श्रीमती बनर्जी को मुख्य इंजीनियर (पूर्व ग्रंचल), के० लो० नि० वि०, कलकत्ता के कार्यालय में 6-2-78 (पूर्वाह्म) से एक रिक्त स्थान पर नियुक्त कियागया है।

डी० पी० श्रोहरी प्रशासन उप-निदेशक

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नईदिल्ली,दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० 27-ई०ई०/ग्रार० (10) 69-ई०सी० II—श्री एस० एन० रे, निर्माण सर्वेक्षक (विद्युत), जो के० लो० नि० 2—506GI/77

वि० के कलकत्ता केन्द्रीय विद्युत परिमण्डल, I में कार्यरत थे, का दिनांक 28 जनवरी 1978 को निधन हो गया।

> सु० सू० प्रकाश राव प्रशासन उप-निदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी स्रधिनियम, 1956 स्रौर चेट्टिनाड स्राटोमोटीव प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० 5874/560(5)/77—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि चेट्टिनाड श्राटोमोटीव प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पंचापकेशन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडु

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर ईस्टर्न रिफाब टेक्नोलाजी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर,दिनांक 22 फरवरी 1978

सं० 1270/A/1189—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर ईस्टर्न रिफाब टेक्नोलाजी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स रायग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 899 पी० एस०/1218—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स रायग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> जसराज बोहरा कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर के कोर्नाक ट्रेडीं० कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कटक, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० एस० उ० 186/6436 (2)—कम्पनी म्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कोर्नाक दृडी कारपोरशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम म्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 और के गिता ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० एस० उ० 501/6437 (2) — कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना ही जाती है कि गिता ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दिलीप कुमार पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उडीसा

ग्रायकर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1978

सं॰ कोग्रार्ड॰/पब्लि॰/दिल्ली/ई/76-77/44900---नीचे उन व्यक्तियों तथा हिन्दू प्रविभक्त परिवारों के नामों की सूची दी गई है जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1976-77 के दौरान 10 लाख रुपए से ग्रंधिक परहुआ है।

(एक) में "आई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्द प्रविभक्त परिवार का सूचक है तथा (दो) में करनिर्धारण वर्ष (तीन) म विवरणी में दिखाया गया धन (चार)
में कर-निर्धारित धन (पांच) में निर्धारिती द्वारा देय कर
(छह) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है —

1/पी० जेड०-4101, बिरमों देवी द्वारा डी० सी० एम० प्रिमिसेस, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (एक) म्राई० (दो) 1976-77 (3) 10,88,300 (चार) 10,87,900 (पांच) 23,516 (छह) 23,536 (2) लीला भ्रग्नवाल 42, जनपथ, नई दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 11,77,560 (चार) 11,94,891 (पांच) 27,796 (छह) 28000

क० न० बुटानी भ्रायकर भ्रायुक्त दिल्ली-1 नई दिल्ली प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—— ग्रायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायक<sup>र</sup> मायुक्त (नि**रीक्षण**)

ग्र० रें०-IV,

कलकत्ता, दिनांक 18फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सि०/ग्रं० रें०-IV/कल०/77-78---ग्रतः मझे, पि० पि० सि०, ग्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से ग्रिधिक है श्रोर जिसकी सं० 208/1-ए है तथा जो बाराकपुर ट्रांक रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारी**ख** 1-6-77 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घोर प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के कीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्स ग्रिश्चित्यम, के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री प्रतुल कुमार मुखार्जी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुबिमल पाल

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध म कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्दो का, जो उक्त शिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20क में परिचावित हैं, वहीं भ्रष्टं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

### मनुसूची

208/1-ए, बाराकपुर ट्रांक रोड, धाना-बरानगर, 24 पर-गणा में 7 कठ्ठा 9 छटांक 43 स्को० फिट खालि जमीन जैसे के सन् 1977 के टलील सं० 5563 पि० में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> पि० पि० सि०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-IV, कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

विनांक : 18 फरवरी, 1978

मोहर:

5-506 GI/77

प्रारूप आई० टी॰ एन० एस०-----

भायकर घधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० ए० सि०-35/ग्र० रें०-IV/कल०/77-78—यतः मुझे, पि० पि० सिं, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 208/1-िव है तथा जो बाराकपुर ट्रांक रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है शीर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्स ग्रिशिनयम, के ग्रिशीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रमति :---

(1) श्री प्राण कुमार मुखार्जी

(श्रन्तरक)

(2) श्री कस्याण पाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध,
  जो भी श्रविध खाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति
  द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त आधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

208/1-वि, बाराकपुर ट्रांक रोड, थाना बारानगर, 24 परगणा में 7 कठ्ठा 16 छटांक 43 स्क० फिट खाली जमीन जैसे के सन् 1977 का दलील सं० 5564 में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है।

पि० पि० सि० सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता, 54, रफीश्रहदद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 18 फरवरी, 1978

प्ररूप माई•टी• एन• एस•---

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० सी० एच० डी०/65/77-78---श्रतः, मुझे, रबीन्द कुमार पठानिया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं०

एस० सी० औ० नं० 125, सैक्टर 28-डी, है तथा जो चण्डी-गढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिज-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (108 का 16) के ग्रधीन, तारीख नयम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिये सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें, भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जीना नाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः ग्रब, उम्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:— (1) ले० कर्नल कंवल नैन सिंह पुत्र श्री कुलदीप सिंह, मकान नं०-114, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़

(श्रन्तरक)

- (2) 1. श्री साहिब पिता मल साहनी पुत्र श्री शंकर दास साहनी,
  - 2. श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री साहिब पिता मल साहनी,

मकान नं०-126, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ

(ग्रन्तरिती)

(3) मैं० साई श्रोटो इंडस्ट्रीज, एस०सी० ग्रौ० नं० 125, सैंक्टर 28-डी, चण्डीगढ

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पन्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

 $2\frac{1}{2}$  मंजिला मकान नं० एस०डी०औ० 125, सैक्टर, 28-छी, चंडीगढ़ में स्थित है तथा जिसका रकवा 84.58 वर्गगज है। (सम्पित जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्री नं० 787 तिथि 3-11-1677 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 27 फरवरी, 1978

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 27 फरबरी 1978

निदेश सं० बी० जी० स्रार० (डी०एल० स्राई०) / 3 / 77-78— स्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है, शौर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो 14/4 माईल स्टोन, मधुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वास है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिस की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्ममान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरिक किया तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भव: भन, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भाषीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० ग्रोवर प्लास्टिक ईन्डस्ट्रीज, श्रार-808, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० इलोफिक इडस्ट्रीज (प्रा०) लि०, सी०-44, फडस कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) 1. मैं ० जैनेरेटर इंडिया (प्रा०) लि०,
  - 2. मैं० ग्राईशर ट्रैक्टर इंडिया लि०,
  - 3. मैं० इलोफिक इंडस्ट्रीज इंडिया, 14/4 माईल स्टोन, मथुरा रोड, फरीदाबाद. (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थायर सम्पत्ति में दितब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्यव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यद्यापरिक्षावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

### अम् सृच्छी

फैंक्ट्री बिल्डिंग जोकि 14/4 माईल स्टोन मथुरा रोड, फरीदा-बाद में स्थित है ।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री नं० 361 मास सितम्बर पर दर्ज है)।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक,

दिनांक : 27 फरवरी, 1977

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० 🛶

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 मार्च 1978

निवेश सं० के० एन० एल०/13/77-78—श्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

ष्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० फैक्ट्री शेड, मेरठ रोड है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ह :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रिष्ठिनियम, की घारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बहादुर चन्द पुत्र श्री हीरा नंद,
 श्री सतपाल उर्फ सतदेव पुत्र बहादुर चंद,
 निवासी मेरठ रोड, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) i. श्री दौलत राम पुत्र श्री खेम चन्द, ii. श्री घनण्याम दास पुत्र श्री राम चन्द, मार्फत मार्डन एग्रो इंजीनियर्स वर्क्स, क्रंजपूरा रोड, करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ढारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमु सुची

फैक्ट्री ग्रंड सहित चार दीवारी जो कि मेरठ रोड, करनाल में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में क्रमांक 2019 तिथि 17-6-1977 पर दर्ज है)

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक: 1 मार्च, 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भटिडा भटिंडा, दिनंक 1 मार्चे 1978

निदेश सं० डी० पी०~124/भटिडा/77~78-यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ध्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: अब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269 व की उपक्षारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, धर्मातु:---

- (1) 1. कौणल्या देवी विधवा विश्वानाण
  - 2. हरी ओम पुत्र श्री विश्वानाथ
  - संतोश कुमारी पुत्नी श्री विश्वानाथ द्वारा महावीर जिनिग मिल्ज मानसा

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री देवकी नंदन, महदेव, नवल कुमार पुत्रान प्यारे लाल,
  - 2. मत्या देवी पत्नी प्यारे लाल द्वारा बनारसी क्षास संधाली वाले कमीशन एजेंट दाना मंडी मानसा (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो न्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह ज्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दे किसी श्रम्थ व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाचित्रकाः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रीधिनियम' के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुखो

मानसा में एक गोदाम जैसा कि दिलेख नं० 2191 जुलाई, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी मानसा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 1 मार्च, 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० ए० पी०-125/भटिंडा/77-78---यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

जायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-दं० से अधिक है

हाँ र जिसको सं ० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा जो नो हियाँ में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिन्नियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिन्नियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अभिन्- 3—506GI77

(1) श्री पूर्ण सिंह पुत्र नगाहिया सिंह ५व रूप सिंह, गांव रुपेवाली तहसील नकोवर,

(भ्रम्तरक)

(2) श्रीमती जुरजीत कौर पस्नी केवल मिंह पुत्र संता सिह. गांव कोहियौ तहसील नकोदार

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है।

(वह ध्यवित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्तिसम्पत्ति में रूचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

श्पद्धीकरण:---इमर्में प्रयुक्त शब्दं और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

लोहियाँ गांव में 29 कनाल 19 मरले जपीन जैसः कि विलेख ने० 973 श्रगस्त, 1977 रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंका

दिनांक : 1 मार्च 1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश नं० ए० पी० नं० 126/भटिडा/77-78——यतः मुझे पी० एन० मलिक

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचात 'उकत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से यधिक है और जिस की संव जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो बटाला गरबो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भोर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी प्राय की याखन, उकन प्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दास्ति में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी मन या मन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय म्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का !1) या उक्ते मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मब, उक्त मिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात् क (1) बिचत्तर सिंह पुन्न श्री महताब सिंह वासी कोठी मियी तहसील बटाला

(भ्रन्तरक)

(2) स्वर्ण सिंह पुत्र चदा मिंह वासी उमर पुरा तहसील बटाला

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में हैं (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुपूची

बटाला गरबी में 28 कनाल 5 मरल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2984 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 1 मार्च 1978

प्रकृप बाई० टो० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण

ग्रर्जन रेंज भटिंडा फिरा टिसंक र सर्वे 192

भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश नं० ए० पी० न० 127/भटिडा/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मिलक प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पए से ग्रधिक है

स्रोर जिसकी स० जैसा कि स्रुनुसूची में लिखा हूँ तथा जो हरदो थला में स्थित हैं) स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वाणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय दस्य्या मे रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों)भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त मिनियम, के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, में, उक्त भिष्टिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, मिन्निसिखित व्यक्तियों, पर्यात :--- (1) श्रीवरियाम सिंह पुत्रश्री मक्खनसिंह गांत्र हरदोयला तहसील दस्या

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह कलकत पुत्र श्री किशन सिंह गांव कैथान तहसील दसूया

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिस के श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो श्रौर व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित खा किसी अन्य अवस्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

हरदोषला गाव में 34 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं 2000 ग्रगस्त 1977 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी दसूया में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम श्रधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, भटिडा

दिनांक: 1 मार्च 1978

### प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

झायकर शिक्षित्रियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के शिबीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

#### भर्जन रेंज

भटिंडा दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश नं० ए० पी० 128/भटिंडा/77-78 यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीम समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ इ॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो लोहियां में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1977

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत। प्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरन में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के प्रधीन निज्निजित व्यक्तियों, प्रचीत् :--- (1) श्री पूर्ण सिंह पुत्र श्री नगाहिया सिंह पुत्र श्री स्मृ सि गांव वर्षवाली सहसील नकोवर

(मन्तरक)

(2) श्री केवल सिंह पुत्र श्री सेता सिंह पुत्र श्री बग्गा सिंह गांव लोहियां तहसील नकोदर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो भीर व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

क्पच्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्वो का, जी उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में विधा गवा है।

#### अनुसूची

लोहियां गांव में 10 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि विलेख न ० 1114 सितम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी शाहकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक; सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, **भटिंडा**

विनांक 11 मार्च 1978 मोहर ! प्ररूप भा६० टी० एन० एस०----

द्यायकर द्यिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज

भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश न० ए० पी० 129/भटिंडा/77-78----यतः मुझे पी० एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो टांडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अन्सूची में भीर पूर्ण रूप में विणित

ग्रार जिस की सि० जसी कि अनुसूची में लिखा है तथा जो टाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्तुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय वसुय्या में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रगस्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिश्चिमयम के ग्रिश्चीम कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अक्ष: ग्रंब उन्त भिष्ठितियम, की धारा 269-य के अभूतर्थ में, मैं; उन्त भिष्ठित्यम, की धारा 269-व की उपश्चारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तिकों, ग्र**धांत्**---

(1) श्री बलवत सिंह पुत्र हरनाम सिंह गांव टांबा तहसील क्सुब्या

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश सिंह, मलकीयत सिंह पुत्रान महेशा सिंह गौब टांडा तहसील वसुस्या

(भ्रम्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्तित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:→

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्द किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिखात में किये जा सकेंगे।

स्पादीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

टांडा गांव में 26 कनाल 4 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2229 धगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी दसूय्या

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 1 मार्च 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आंयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,

जयपुर, दिनांक 2 मार्च 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/389——यतः, मुझे एम०पी०वणिष्ठ,

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त मिश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के शश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ध्पये से प्रधिक है और जिसकी सं० ई-14 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँणत है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यांत्य जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15 जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना भाहिए था छिपामे में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रवः, उक्त प्रविनियम की भ्रारा 269-गं के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स इन्द्रा इलेक्ट्रिकल्स, देहली

(भ्रन्तरक)

(2) मैं सर्स जयपुर बांटलिंग कम्पनी, झोटवाड़ा, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्क्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही स्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

प्लाट नं० ई-14, विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल ऐरिया, जयपुर स्थित फैक्टरी बिल्डिंग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋमांक 1005 दिनांक 15-6-77 द्वारा पजीबद्ध विकथ पत्र में ग्रौर ग्रिधिक विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० पी० विशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (नि**रीक्षण**) अर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक: 2 मार्च, 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज धार**वाड** 

धारवाड़, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० 207/77-78/म्रर्जन—यतः, मुझे, डि० सि० राजागोपालन ,

श्रायकर श्रिश्चित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम पाधिनारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है श्रीर जिस की सं० श्रार० एस० 231 है, जो बेलगाम गोडसेड

श्रार (जिस की संव श्रारण एसण 231 है, जो बलगान गांडसड़ (ग्रप्पर सैंड) बेलगाम में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बेलगामग्रंडर डाकुमेंट नं०1019/77-78 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 1908 का (16) के ग्रधीन, दिनांक 23-7-1977

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य में कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्नरण से हुई ितमा आय की बाबत उक्त अधिनियम, क श्रधीत कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने थे सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या यत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उका अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निमालियत व्यक्तियों अर्थात्:—-

- 1. (1) श्री बत्तामया मारुति गंधावाले,
  - (2) श्री नारायण केसव गंधावाले, यमकानमरिड पोस्ट, बेलगाम, तालुक ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रतनिक देविज पटेल, मॉमिल मालिक, गुडसेड रोड, बेलगाम सिटी

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त समात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता रं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामीत से 30 दित की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कि व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रान्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज। सबेगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिध्याय 20-क में परिभापित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुला मैदान ग्रौर झेडस गुडसँड रोड (ग्रप्पर सैड) यहां है। बेलगाम सिटि के न० ग्रार० एस० 231-एकत अगह 11750 स्कबेयर फीट है।

> डि० सि० राजागोपालन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, धारवाड़

दिनांक: 27 फरवरी 1978

### प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज , मद्रास

मंद्रास II, 600006 दिनांक 10 फरवरी 1978 निवेश सं॰ 3885/जून/77--यतः, मुझे के॰ पोन्नन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० डोर सं० 156 श्रौर 157, है तथा जो मेटु स्ट्रीट, पेरम्बलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, पेरम्बलूर 'डाकुमेंट 901/77' में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 6-6-1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मिल्लियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/पा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपानें में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के भनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—- (1) श्री ए० श्रारोकियसामि

(भ्रम्तरक)

(2) श्री डाक्टर ए० पेन्क्रास

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्य होगा जो उस श्रध्याय में वियागया है ।

### अमुनुषी

पेरम्बलूर, मेटु स्ट्रीट, वार्ड सं० 4, डोर सं० 156 श्रौर 157, में भूमि श्रौर मकान ।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज मद्रास

विताक । 10 फरवरी 1978 मोहर । प्ररूप भाई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सुभाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० 3893/जून/77--यतः, मझे के० पोज्ञन, भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं टी० एस० स० 442 नार्थ मोटीन स्ट्रीट, तन्जाऊर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I तन्जाऊर 'डाकुमेंट 1373' में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-6:77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर प्रन्तरक (मन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रन, उनत भ्रष्ठिनियम की खारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उनत भ्रष्ठिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 4—506GI/77 (1) श्री एन० नानाबाय दवे

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० अकिलाम्बाल ग्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को **यह सूचना** जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्ववाहियां करसा हूं।

उन्त सन्पत्ति के प्रजंन के सन्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषें होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रमुखी

तन्जाऊर, नार्थ मेयिन स्टीट, मनिसिपल वार्ड स० 4, टी० एस० सं० 442 में 5928 स्क्रुयर फीट (मकान के साथ)

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 10 फरवरी 1978

### प्रकप माई० टी• एन• एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास
मद्रास-600006, दिनांक 16 फरवरी 1978
निदेश सं० 3895/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६०
से प्रधिक है

म्रोर जिसकी सं० 87, बैपास रोड, करूर है तथा जो ' ' ' में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, करूर वेस्ट 'डाकुमेंट 2005/77' में, रिजस्टीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से धिषक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर घिषित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषित्यम, या धन-कर घिष्तियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रय, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिमों प्रचति :- (1) श्री ए० टी० पिचम्तु

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० पोधुसामि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
    45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
    हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
    के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

करूर, बै-पास रोड, डोर सं० 87 में भूमि ग्रीर मकान

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक आ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजंII, मद्रास

दिनांक : 16 फरवरी 1978

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०----

आयकर द्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० 3899/जून/77--यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), पाचात् की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 12, देवराजन स्ट्रीट, चेन्कलपट में स्थित है, (भ्रोर एससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चेन्कलपट 'डाक्मेन्ट 1125/77' में, रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 27-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या गन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती के० एस० रंकनायिक, श्री के० एस० श्री-निवासन श्रीर के० एस० रामन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० मरियम बी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप: ----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रन्य अथिकत द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चेन्गल्पट, वेदाचल नगर,देवराजन स्ट्रीट, डोर सं० 12 में भूमि ग्रीर मकान।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 16 फरवरी 1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

कायकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मिसीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० 3910/जून/77-यतः, मुझे के० पोन्नन, धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घ्रधिक है,

स्रोर जिसकी सं० 7-एस, रामकृष्णपुरम, करूर में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुभूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करूर वेस्ट 'डाकुमेन्ट 2255/77' में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-गं के प्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:-- (1) श्री एस० पिचमृत्

(भन्तरक)

(2) श्री पी० कालियप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रद्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

करूर, रामकृष्णपुरम, सं० 7-एस, में भूमि ग्रौर मकान।

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजु II, मद्रास

दिनांक: 16 फरवरी 1978

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर मिर्घनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II, मद्रास

मद्राम,-600006, विनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० 3915/जून/77-यतः मुझे, के० पोझन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 52, कुरुवियान कुल स्ट्रीट, तिरुचि 8 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० III तिरुचि 'डाकुमेन्ट 871/77, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 28-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिस्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री पी० वि० एम० मृतुसामि

(भन्तरक)

(2) श्री वीरप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वहीं भर्य होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

तिरुचिरापल्ली, कुरुवियान कुल स्ट्रीट, डोर सं० 52 में भूमि ग्रौर मकान ।

> कें० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज II, महास

दिनांक: 16 फरबरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 3888/जून/77—यतः, मुझे, के० पोक्षन, भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं टी एस 2747, ब्लाक 43, वार्ड II, 135 ग्रिसशम गांव, मन्नार्गुडि में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्टीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मन्नार्गुडि 'डाकुमेंट 1081/77' में, रिजस्टीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 8-6-1977

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रधिनियम, या धन-कर घ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घव, उक्त घितियम की घारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त घितियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के घिता निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री रामकृष्ण पिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रब्दुल हमिद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत भिक्षितियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

#### अभूसूची

मन्नयर्गुंडि , 135 श्रसिशम गांव, वार्ड सं० II, ज्लाक 43, टी० एस० सं० 2747 में भूमि श्रौर मकान I

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 28 फरवरी 1978

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर पायुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेंज II, मब्रास

मद्रास-600006, विनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 3888/जून/77—यतः मुझे, कें० पोन्नन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

भ्रौर जिसकी सं० टी० एस० 2747, ब्लाक 43, वार्ड सं० II, 135 श्रसिशम गांव, मश्रागुंडि में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मन्नागुंडि 'डाकुमेंट 1111/77' में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम, या घन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः सब, उक्त भिविनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के प्रधीन निम्निचित स्थिकियों, प्रधीत् !— (1) श्री रामकृष्ण पिल्ले

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती पि० ए० नसिमुन्निसा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त धिधिनयम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मन्नार्गुडि, 135, श्रसिशम गांव, वार्ड सं० 2, ब्लाक 43, टी० एस० सं० 2747 में भूमि श्रौर मकान।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 28 फरवरी 1978

मोह्नर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की भारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज II, मवास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 3902/जून/77-यतः मुझे, के० पोझन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 55/1सी1 ए1 बाजार स्ट्रीट, श्रीमुण्णम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रीमुण्णम 'डाकुमेंट 974/77' में, रजिस्टीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन, दिनांक 27-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,

- उसके बृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
  - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की नावत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नवने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम या घन-कर प्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए:

इत: प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री एम० हरिकृष्णन

(श्रन्तरक)

(2) श्री गोपालकृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शम्बों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

श्री मुण्णम, बाजार स्ट्रीट, एस० सं० 55/1 सी 1 ए1 में भूमि श्रीर मकान।

> कें० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

विनांक: 28 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन एस०-----

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घ्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, मदास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

. निदेश सं० 3902/जून/77—पत: मुझे, के० पोन्नन, मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

स्रोर जिसको सं० 55/1सी 1 ए1 बाजार स्ट्रीट, श्रीमुष्णम में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णिन हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रीमुण्णम 'इ.कुमेंट 979/77' म, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/ण
- (ख) ऐनी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्रतः अवत अधिनियम की धारा 269 ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5---506GI/77 (1) श्री एम० हरिकुश्णन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहन दास

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≆त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षी--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी घविध अद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रथें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्री मुश्णम, बाजार स्ट्रीट, एस० सं० 55/1 सि 1 ए 1 में भूमि ग्रीर मकान ।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मदास

तारीख: 28-2-1978

### प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2699 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1978

निवेश सं० 3902/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 55/1 सि 1 ए 1 बाजार स्ट्रीट, श्रीमुण्णम में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, श्रीमुण्णम 'डाकुमेंट 980/77' में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कियत नहीं किया नया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती बाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—— (1) श्री एम० हरिकृष्णन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रंगनाथन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के प्रजॉन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी आजेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

श्री मुश्णम, बाजार स्ट्रीट, एस० सं० 55/1 सि 1 ए1 में भूमि स्रोर मकान।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रा**युक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 28 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनाक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 3902/जून/77—यत: मुझे, के० पोन्नन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 55/1 सी 1 ए1 बाजार स्ट्रीट, श्रीमुष्णम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रीमुष्णम (डाकुमेण्ट 996/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल लिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्रायकी बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ह्रातः अब, उक्त धर्धिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के धर्धीन निभ्व**क्तिक व्यक्ति**यों, घर्षीत् :— (1) श्री एम० हरिकृष्णन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीधरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण: --- इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रीमुष्णम, बाजार स्ट्रीट, एस० सं० 55/1 सी 1 ए 1 में भूमि भीर मकान ।

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 28 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

मरित सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600004, दिनांक 24 फरवरी 1978

निदेश सं० 3903/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/— द० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 56, स्टेशन रोड, मद्रास-44 म स्थित हैं ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पल्लावरम (डाकुमेंट 4587/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के) ग्रधीन, दिनांक 27-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिध-नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तयों को जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः भव उक्त प्रिचित्तियम की घारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269 च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री टी० एस० पार्ता

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डब्ल्यु० सालमन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूवना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास-44, छोर सं० 56, स्टेशन रोड।

के० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 24 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, मब्रास

मद्राम-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

निदेश सं० 4339/ज्रा/77---यतः मुझे, के० पोन्नन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है ग्रीर जिसकी एस० सं० 12, ईरोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० 1, (डाकुमट 1478/77) म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से भिधक है और भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरि-तियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से फिया नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/था
- (ख) एसा किनी श्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-**ण की उप**धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्र<mark>णीत् :---</mark> (1) श्री वी० ग्रार० चन्द्रन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्दराज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में सथा-परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

देरोड, एस० सं० 12 में 0-47 --- एकड़ । 32

> के० पो**ज**न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 22 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

निदेश सं० 4339/जून/77--यतः मुझे, के० पोन्नन, न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रू० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी एस० सं० 12, ईरोड है तथा जो इरोड (0.66 23/32 एकड़) में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० I ईरोड (डाकुमेंट 1479) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रन्य प्रास्तियों को जिन्हों भारतीय भ्राय कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रक्षिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती बी० बालाम्बाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्दराज

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त धर्ध-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रथें होगा, जो उस सब्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

ईरोड, एस० सं० 12 में 0-66 23/32 एकड़ ।

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 22 फरवरी 1978

### प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

निदेश सं० 4339/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी एस० सं० 12, ईरोड है तथा जो जे० एग० ग्रार० I इरोड (डोक सं 1480/77) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I ईरोड (डाकुमेंट 1480/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से अथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या मन-कर ग्रिधिनियम, या मन-कर ग्रिधिनियम, या मन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए मा, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित • प्रक्तियों, प्रथीत्:--

(1) श्री ई० धार० साम्बमूर्ती, श्रीकण्डेस्वरन ग्यानसेकरन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्दराज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त मंपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, ओ उक्त श्रधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ईरोड, एस० सं० 12 में 1-52 1/2 एकड़ ।

कें० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 22 फरवरी 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- $\Pi$ , मद्रास मद्रास-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

निदेण सं० 4344/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के शधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-10-25 ए श्रीर 3-10-25 सी ईस्ट स्ट्रीट मेट्टुपालयम (श्राधा भाग) में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, मेट्टुपालयम (डाकुमेण्ट 690/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 23-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घत या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः --- (1) श्री एम० मोहमद शेरिफ ग्रौर ई० ग्रायिसा बीबी

(श्रन्तरक)

(2) कादर मोहैदिन (मैनर) (एस० मोहमद हिनफा के द्वारा )

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकासम्पत्ति के ग्र**जं**न के लिये कार्यवाहियां करता है।

उकत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भो प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अम् सुची

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज II, मद्वास

विनांक : 22 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

निदेश सं० 4354/जून/77—यतः मुझे, के० पोझन, आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से श्रिष्टिक है

ष्मौर जिसकी डोर सं० 6, मृतु तेलप्प गौन्डर स्ट्रीट, ईरोड में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाद्यद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० I ईरोड (डाकुमेण्ट 1660/77) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की यावत उक्त शकि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (सा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उस्त भिभित्यम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उस्त भिधित्यम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——
6—506G/77

(1) श्रीमती शन्मुगवल्लि प्राचि

(भ्रन्तरक)

- (2) सर्वश्री 1. मीनाशीसुन्दरम
  - 2. एम० वीरप्पन
  - 3. करूपन चेट्टियार
  - 4. एम० सामिनाथन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उक्त ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ईरोड, मृतुबेलप्प गीण्डर स्ट्रीट, डोर सं० 6 में भूमि श्रीर मकान ।

> के. पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्वास

दिनांक: 22 फरवरी 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 5619/जून/77---यतः मुझे, के० पोन्नन,
ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
ध्रधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5, श्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित हैं (श्रीर उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट 344/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से मुई किसी माय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (■) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोतः— (1) श्री एम० मुहगेस नायकर, एम० तिहनाउक्करसु; एम० श्रानन्दन श्रीर टी० गोविन्दसामि

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीके०ए० हाजा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितसद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

9954 स्कुयर फीट में 1/4 भाग, तीसरा फ्लोर में 4250 स्कुयर फीट । (प्लाट सं० 8 ग्रीर 9 ए; डोर सं० 5 ग्रीम्स रोड, मद्रास )

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 28 फरवरी 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निवेश सं० 5619/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—रुपये से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी प्लाट स० 8 ग्रौर 9 ए डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I मद्रास नार्थ (डाकुमेण्ट 345/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह 
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती 
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया 
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में 
गक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उंगत भ्रिष्ठिनियम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में; मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्:—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाजकरसु; श्री एम० ग्रानन्दन, नं० 1 फर्स्ट लिक स्ट्रीट सी आई टी कलोनी मद्रास-4 श्री टी० गोविन्दसामि नं० 62 बी. मोत्रेण रोड, मद्रास-18

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के०ए० मोहमद जबार पुत्र स्व०श्री के०ई० अदम, नं० 124, श्रनगप्पा नाईकेन स्ट्रीट, मद्रास-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

9954 स्कुयर फीट में 1/4 भाग; दूसरा फ्लोर में 4250 स्कुयर फीट; (प्लाट सं० 8 ग्रौर 9 ए; डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास) 1

> कें पोन्नन सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज II मद्वास

तारीख: 28-2-1978

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

# भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 5619/जून/77—यतः मुझे, के० पोक्षन, आयकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के धिविन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/— द० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट 8 श्रौर 9 ए डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे एस० श्रार० I मद्रास नार्थ (डाकुमेण्ट 346/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन 1977 को

16) के प्रधीन, दिनाक जून 1977 की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है, धौर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से धिक है घौर धन्तरिक (धन्तरिकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्राधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या म्रन्य म्नास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, याधन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रामीत्:— (1) श्री एम० मृथ्गेस नायकर, एम० तिरुनाउक्करसु; एम० श्रानन्वन नं० 1 फर्ल्ट लिक स्ट्रीट सी आई टी कलोनी, मद्रास-4 श्रीर टी० गोविन्दसामि नं० 62 बी, मोब्रेग रोड, मद्रास-18

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती श्रस्तिना पत्नी श्री के० ए० सुलेमान नं० 124 श्रनगप्पा नाईकेन स्ट्रीट, मद्रास-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बग्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धन्विध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पक्षों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

### म्र मुसूषी

9954 स्कुयर फीट में 1/4 भाग; पहला फ्लोर में 4250 स्कुयर फीट (प्लाट सं० 8 फ्रीर 9 ए; डोर सं० 5; ग्रीम्स रोड, मद्रास)।

के० पोझन सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 28 फरवरी, 1978

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रें अ-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 5619/जून/77--यतः मुझे केः० पोन्नन, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से प्रधिक है भौर जिस की सं० प्लाट सं० 8 श्रपू 9 ए डोर सं० 5 ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे०एस० श्रार० ी, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट 347/ 77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (बन्तरकों) भीर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में शस्तिबरू

> (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या भाग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त मिनियम', या घन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया या या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उप-धारा (1) के अधीन निम्निवित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— (1) श्री एम० मुक्तेस नायकर, एम० तिस्नाउवकरसु; एम० श्रानन्दन; टी० गोविन्दसामि

(श्रन्तरक)

(2) श्री कें० ए० सुर्लमान

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 चिम की प्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

हपध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीधिनयम के शब्दाय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में विद्या गया है।

#### अनुसुची

9954 स्कुयर फीट में 1/4 भाग । ग्राउण्ड फ्लोर में 4250 स्कुयर फीट । (प्लाट सं० 8 भीरे 9ए) (डोरसं० 5 ग्रीम्स रोड, मद्रास)।

के० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), प्राप्तन रेंज II, मद्रास

तारीच: 28 फरनरी, 1978

नोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के धर्घीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० 5649/जून/77-यतः मुझे, के० पोन्नन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से प्रधिक है,

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 11 श्रीर 12, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास 'डाकुमेंट 381/77) में, रिजस्टीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कथिए महीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः सब उक्त ग्रिमिनयम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिचीन निम्नलिखिन स्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० मुक्तेस नायकर; एम० तिरुनाडकरसु; टी० गोविन्दसामि; एम० म्रानन्दन
  - (ग्रम्तरक)
- (2) लावा भ्राफ सेट प्रैस

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिम की भविधि, जो भी भविधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित- बद्ध किसी धन्य व्यक्ति दारा, मन्नोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही शर्थ होगा जो, उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुसची

'लार्ट सं० 11 भीर 12 में 1/12 भाग। पहले फ्लोर में 3425 स्कुयर फीट। (डोर सं० 5; ग्रीम्स रोड, मद्रास।

> कें० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज्र II, मद्राख

तारीख: 27 फरवरी 1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के श्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० 5653/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

धौर जिस की सं० 2, वियवयराम श्रय्यर स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 414/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उनतं प्रधिनियमं की धारा 269-गं के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-मं की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत् :---

- (1) 1. एस० धनेश भ्रय्यर;
  - 2. एस० कृष्णमूर्ति ; 3. कमला कृष्णमुर्ति,
  - एस० गौरि, 5. श्रीमती गान्दिरामन;
  - 6. मैतिलिं कौल, श्रौर 7. बी० सुक्रमनियन। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. पी० बि० लष्मन सा एण्ड बदर्स;
  - 2. पी० बि० दुलसि सा;
  - 3. पी० बि० लश्मन सा;
  - 4. पी० बि० कस्सी सा;
  - 5. पी० टी० हिरू सा; ग्रीर
  - 6. पी० के० नायन सा;

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस धूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उमत श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है

# अनुसूची

मद्रास 17, टी० नगर, विश्वन्य राम भ्रय्यर रोड, सं० 2 में 5 ग्राउण्ड (मकान के साथ)

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 27 फरवरी 1978

# प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के मजीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग-II, गद्राम

मद्राम, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० 5655/जन/77-यतः मुझे के० पोन्नन, जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिमकी सं० 60/3 है तथा जो श्राकटि रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोटुम्बाक्कम (डाकुमेंट 766/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनोक जून

1977 को
पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्वमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास
करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का नल्लह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
क्षम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निद् तब
भावा गया प्रतिकल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में शास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की वावत उक्त झिलियम के झिली कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी धाम या किसी धन या प्रम्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर घोष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घोष्ठिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1857 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया यमा वा या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में सुनिधा के लिए;

अतः सब, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के समुतरम में, में, उन्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अभीन निम्नलिखित स्पन्तियों, अवौत् :--- (1) श्री वेन्कन्न चौधरि

(भ्रन्तरक)

(2) मद्रास कैंमिकल्स एण्ड पालिस्टर्स प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

 श्री यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैत के लिए कार्यवाधियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घारोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीबा से

  45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-ब्रह्म किसी सन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त कन्दों भीर पवों का, जो उक्त धार्शनियम, के धन्याय 20-क में परिभा-वित हैं, वहीं धर्ब होगा जो उस धन्याय में दिया गया है।

### मनुष्यो

मब्रास, श्राकटि रोड, सं० 60/3 में भूमि श्रीर मकान।

के० पोन्नन सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

विनांक: 27 फरवरी 1978

प्ररूप माई० टी • एन० एस •---

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, काकीनाडा

काकीनाष्टा, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 603---यतः मझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 22/412 है, जो मसुला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मसुला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 13-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्कह प्रतिशन से प्रधिक है गौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या रक्तर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

भन भन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग क प्रतृ-सरण में मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित श्रमिक्तयों अर्थीत् :— 7—506G1/77 (1) सि०एच० ग्रमराबाबु मसुला।

(भ्रन्तरक)

(2) पालकुर्ती श्रीरामुलु मसुला ।

(श्रन्तरिती)

(3) रत्ना टिबर डिपो (2) एग्रिकलचरल श्राफीसर मसुला

(वह ध्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रमिध या तस्समधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रमिध जो भी श्रमिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शक्तों और पवों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज 1881/77 में निगमित ग्रनुसची सम्पत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 14 फरवरी 1978

प्ररूप धाई० टी • एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) कि प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काफीनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 604—यतः मुझे एन० के० नागराजन, धायकर घिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत घिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रिक है

स्रौर जिसकी सं० 22/412 है, जो मसुला में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मसुला में भारतीय रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 27-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फन के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक कर से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उनत प्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; भीर/या
- ्ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों तो जिन्हों भारतीय आय कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा प्रकानहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छितार है विचा के निर्

जतः म्रव उक्त अधित्यम ही धारा 269-ए के जन्परण में, मैं, उक्त धिमियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अक्रीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचित :-- (1) श्री सि० एच० श्रनंदबाबु मसुला

(श्रन्सरक)

(2) श्री पि० श्रीममुम्नु मसुला

(अन्तरिती)

(3) (1) रत्ना टिंबर डिपो (2) एग्रिकलचरल श्राफीसर

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकींगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **ानुसू**ची

मचलीपटनम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2267/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 14 फरवरी 1978

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के धन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकिनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 605—यतः मुझे एन० के० नागराजन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० 22/412 है, जो मसुला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांगत है), रिजिंग्टोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मसुला में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) हे श्रधीन 18-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वाक्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:~-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की वाबत, उक्त ग्रिशियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के (सए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें की सुविधा के लिए;

अत: धव, उक्त भिविनियम की घारा 269 ग के भनुसरण में, में, उक्त भिविन्यम की घारा 269व की उपधारा (1) के भिवीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात.—- (1) सि॰ एच॰ सिद्याधरी मसुला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पि० श्री रामुलु मसुला।

(म्रन्तरिती)

(3) (1) रत्नाटिबर डिपो (2) एग्रिकलचरल श्राफीसर मसुला

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के भजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वाधर तंपत्ति में हितबब किसी घन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रमुक्त शन्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस धन्याय में विया गया है ।

### अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाँक्षिक भंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2046/77 में निगमित भनसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 14 फरवरी 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

निद्धेण सं० 606—यत: मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिस की सं० 22/412 है, जो मसुला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मसुला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उकत श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसो किसी धाय या किसी धन या अस्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के जिए;

भतः मत्र, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुतरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्तसिखित व्यक्तियों, नर्यात्:--

- (1) भीमती एच० लक्ष्मी देवी मसुला (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पि० श्रीरामलु मसला (ग्रम्सरिती)
- (3) (1) रत्ना टिंबर डिपो
   (2) एग्रिकलचरल म्राफीसर मसुला
   (वह व्यक्ति जिसके म्रिधभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2786/77 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ृ(निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, काकीना**ड**ा

विनांकः 14 फरवरी 1978

#### प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० 609-यतः मुझे एन०के०नागराजन, **आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-न्त्र के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरूप 25,000/- र<sub>०</sub> से मधिक है ग्रीर जिस की सं० 9-5-54 हैं, जो रसीपुरम में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रसी पुरम में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से घांचक है घोर धन्तरक भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित

(क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या

उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों का, जिम्हें भारतीय भ्रायकर भ्रष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्ठितियम, या धन-कर भ्रष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविभा के लिए;

भतः भन्, उक्त प्रधिनियम् की घारा 269-च के अनुसरण मे, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. टि० श्रीरसागर सर्मा
  - 2. श्री टि॰ राजेग्द्र प्रसाद

श्री टि० विष्णु प्रसाद

नर्सापुर

(भ्रन्तरक)

4, श्री टि० रूफराम प्रसाव ∫

(2) मैसर्स सिकली नरसपुर (श्रभी हान्काँग में हैं) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इप सूवना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### मनुसूची

नरसपुर रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 15-6-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 1444/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 16 फरवरी 1978

#### प्ररूप धाई∙ टी० एम० एस०-

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 **ष (1**) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 216/77-78—स्वतः मुझें, के० एस० वेंकट रामन

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चिनत भाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8-2-226 ताः 230 है, जो रैंड कास रास्ता कलाक टावर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिक्तियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 3-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरित (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है —

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिंधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिप्तिनयम की घारा 269-ग के धमुसरण में, में, उक्त ग्रिप्तिनयम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन; निम्निलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:—

- (1) श्रीमती मेरसी मुरीयल बेवल पक्ष्मी मेजर देसमान्य बदल रीटज हाऊस हीमायत नगर, हैवराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एल० करसन दास पुत्र लदाभाई 8-2-226 ट रैंड कास रास्ता कलाकटावर के पास सिकन्द्राबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्त्रों भीर पतों का, जो उन्त भिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर न० 8-2-226 ता 230 (पुराना न० 73/ए/1) रेड कास रास्ता कलाक टावर के पास सिकन्द्राबाद में हैं रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 850/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9 फरवरी 1978

## प्ररूप भ्राई• टी• एम• एस•--

प्रामकर प्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 217/77-78—-यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिस की सं० मलगी न० 57-58 है, जो 1-7-239/22 एस डी० रास्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21-12-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सकत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, म, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, श्रमीत्:---

- (1) श्री गंगाराम किशम अन्द घर नं० 1-3-234 से 241 सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्द्राबाद (श्रन्तरक)
- (2) बोपना घेनु घर नं० 225/ए मारेडपली 2. श्री हुरगराज रानगाराउ भीमावारम मधोरा ताल्लुक जिला-खम्मा इस समय हैदराबाद में कोनश्चापली प्रभुकुमार 1-9-285/4/3 विद्यानगर 3. हैदराबाद-44। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रजैंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलगी नं० 57 श्रीर 58 (पुराना नं० 1-7-239/21 श्रीर 1-7-239/22) नीचेका सहा-चन्त्रालोक का घर नं० 1-7-234 से 241 सरोजनी देवी रास्ता सिकन्द्राबाद में 1

के० ए० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहा**य**क आयंकर **आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, **हैद**राबाद

दिनांक: 9-2-1978

प्रस्प धाई० टी० एत० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 218/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

श्रौर जिस की सं० 3-6-361/18 हैं, जो हीमायत नगर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि धन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भारितयों, की, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या भन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री ए० शनता वरमा रेडडी पुत्र ए० वीरा रेड्डी जमींदार श्रक्षारम गांव-नरसापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० घ्रार० विजयकुमार पिता राजेक्वर राउ घर नं०-3-6-361/13 लेडी हैंद्री क्लब के पीछे हीमायत नगर, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

हनव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुसरा मंजिला घर नं० 3-6-361/18 लेडी हैंबी क्लब हीमायत नगर, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1469/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदाराबाद

दिनांक: 9-2-1978

ब्र**रू**प भाई० टी० एन० एस०----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 219/77-78-यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के ग्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 3-5-1097 हैं, जो नारायनगुडा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं।, रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप ते कित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रश्नि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए,

धन: ग्रम, उक्त अघिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्निविक्त ध्यक्तियों, प्रयात् :--8--506GI/77

- (1) श्रीमती हसमाथुश्रीसा बेगम पत्नी एजाज मोहम्मद-खान, घर नं० 3-5-1098 नारायनगुडा हैवराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कोबेला शानता पश्नी एन० बी० सूर्या-नारायना राउ घरनं० 3-5त267 बीटलवाडी नारायनगडा हैवराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की ध्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्वधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिशा गया है।

### अनुसूची

घर नं० 3-5-1097 नारायनगुडा हैवराबाव रिजस्ट्री कार्यालय वस्तावेज नं० 1536/77 उप रिजस्ट्रार हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-2-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० भार० ए० सी० 220/77-78--यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन
धायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
25,000/- ६० से भिधिक है

धौर जिस की सं० 140/11 है, जो तीरुमला तिरुपति में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनसूची में श्रौर पूर्णे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तीरूपित में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) भौर श्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रम्तरण लिखित में वास्तविक उप से कियत नहीं किया गया है:—-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) 1. श्री पान्डुरन्गा रामाचारयुलु पुन्न श्री निवासाचारयुल् 2. श्री श्रीनिवासामुधी, 3. श्री माधवा, 4. श्री जयाधीरथ, नवालिग जी पी०ए० रामाचारयुलु पिता, सभी निवासी शिवासी स्ट्रीट, मंगसागीरीपट, धारवाड़, कर्नाटक।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाक्षी पदमावाश्यम्मा पत्नी श्री के • एम • कृष्नैदया व्यापार, तिरुमाला, तीरुपती । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर सं० 140 पश्चिमी मादा गली तिरुमला, तिरुपति रजी० की गई हैं दस्तावेज नं० 1186/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय तिरुपति में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु**क्त** (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 9 फरवरी 1978

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।

म्रायकरं मिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269थ (1) के मिन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर भागुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, है दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं आर० ए० सी० नं० 221/77-78--यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन),

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० 140/11 है, जो तीरुमला तिरुपती में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीरुपित में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाव की बाजत उक्त बाधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झांय या किसी झन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिये।

प्रत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्नितिष्ठित स्थक्तियों, अर्थात् — (1) 1. श्री पांडुरंगा रामाचार्युल् सुपुत्र श्रीनीवासाचार्युल् 2. श्री श्रीनिवासामुर्ती 3. माधवा 4. जयातीर्थं पिता उसका नीगराबीकार—शिवाजी गली मनगलगीरीपेटा धारवार करनाटका

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के एम क्रिशन्या पिता कमलामुना स्वामी, तीरु-माला--गांव, तीरूपति

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर नं 0 11/140 तीरुपति गली [तीरुमला गांव, तीरुपति रिजस्ट्री की दस्तावेंज नं 0 1187/77 उप् रिजस्ट्री कार्यालय तीरुपति में ।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाय

दिनांक: 9-2-1978

भारत सरकार कार्याभय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 222/77-78-यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

मायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269था के घ्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- द० से घ्रधिक है

बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक हैं और जिसकी सं० सर्वे नं० 661-2 हैं, जो कदीरी में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कदीरी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-6-77

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या ग्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः, अव, उन्त ग्रविनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, श्रन्त अजिनियम की धारा 269-घ सी इपजारा(1) के ग्रजीन निम्नसिश्चित स्पन्तियों अर्थात्।— (1) श्री रामाचेन्द्रय्या चेट्टी, पोस्ट श्राफिस राड कदीरी। 2. श्री बी० श्रन्दुल सुवान साहब, पोस्ट आफिस रोड, कदीरी।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. ग्रम्बी ग्रादीमूरती चनकुपेलिम गली कदीरी 2. श्री ग्रगैसम बीरप्पा पिता सुबय्या रेलवे स्टेशन रोड, कदीरी हिन्दपर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हमक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधितयम के श्रीध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट का बर्णन 2372 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 661-2 कदीरी में हैं।रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1945/77 उप रजिस्ट्री कदीरी में।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०-

भ्रायकर भ्रषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदश सं० आर० ए० सी० नं० 223/77-78--यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 7 हैं, जो करमकमबडी गांव में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तीरूपित में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है पीर अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य मास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्वनियम या धन-कर भिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नविधित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- (1) श्री वेनगुडी वेनुगोपाल रेलवें स्टोनपैट गोविन्दा राजु मुडालीयार गली, रेनुगुनटा चीतूर—जिला (ग्रन्तरक)
- (2) मिसेस पी०श्रार० गोपाल कृष्न रेड्डी कम्पनी पी० आर० गोपाल कृशना, 4-1-917 तिलक रोड, हैंदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पद्यों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सुकी जमीन सर्वे नं० 7 करकमबडी गांव चन्द्रागीरी तालुक चिसुर जिला वर्णन 9.44 ऐकड़ दस्तावेज नं० 1207/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपति में।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10 फरवरी 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्राधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देण सं० आर० ए० सी० नं० 224 77-78—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-2-3 43/बी है, जो गगनमहल, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्तं ग्रिधिनियम को घारा 269-ग के ग्रनु-सरण म, मै, उन्तं ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—— (1) श्री चेलाराम्या घर नं० 3-6-369/बी/4 हिमायत नगर, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तूनु श्रीनिवास रेड्डी पिता टी० वेनकटरामा रेड्डी, घर नं०4-1-738/1 मोजामजाही मारकीट, हैंदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूथना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम के श्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन नं० 1-2-343/बी गगन महल, हैदराबाद में वर्णन 580 वर्ग गज रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 1403/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद ।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10 फरवरी 1978

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाध, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 225/77-78—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त झिलियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से सिक है और जिसकी

सं० 6-3-550/3 है, जो सोमाजीगुडा में स्थित हैदराबाद, है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से घधिक है भीर घन्तरक (भन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिष्ठितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :---

- (1) श्रीमती जुबेदाबेगम पती श्री यासीन श्रली खान, हैदराबाद। (ग्रान्तरक)
  - (2) श्री ताराचन्द सीलानकी घर नं० 6-3-550/3 सीमाजीगुडा, हैंदराबाद (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रीविनयम के घट्याय 20 क में परिभा-वित हैं, वहीं धर्ष होगा जो उस घट्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

घर नं० 6-3-550/3 सोमाजीगुडा हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1410/77 उप-रजिस्ट्रार हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10 फरवरी 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भिधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 226/77-78—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिस की सं० 10-3-696 है, जो विजय नगर कालोनी हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री के० बचराज पिता किशनलालजी घर नं० 4-1-1055 थोगुलकुटा, हैदराबाद
   2. श्रीमती एस० ग्रेस ग्रलबर्ट जोहन एच० नं० पती एस० ग्ररबर्ट 20-3-696 विजयनगर कालोनी, हैदराबाद
- (ग्रन्तरक)
  (2) श्रीमती यू० तेरसम्मा पती यू० शीर रेड्डी, वेलीगोन्डा,
  पोस्ट महबूबनगर-जिला
  (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉त सम्पक्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधियात हसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि खाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर नं० 10-3-696 विजयनगर कालोनी, हैवराबाद वस्तावेज नं० 1447/77 उप रिजस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

विनांक: 10 फरवरी 1978

269 घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैं दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० नं० 227/77-78---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन मायकर घिं चिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से म्रधिक है श्रीर जिस की सं० 6-3-609/141 है, जो श्रानन्व नगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-6-77 पूर्वीक्त संपक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पृथ्यमान पितिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) धौर मन्तरिती (भन्तरि-तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर वेने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसो आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उकत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
9—506GI/77

- (1) श्रीमती सोमेश्वरी पित के०एस० रेड्डी श्री पी०ए०एम० के० पाणा 1सी-36-येयेममनजील कालोनी हैंदराबाद 2. कें० एस० एन० रेड्डी डिवीजनल इंजीनियर ए० पी० ए० सी० श्रीकाकुलम
  - के० श्रपलास्वामी 4. के० एस० प्रासाद राउ
     के० वी० रमनामुर्ती

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० मानेम्मा घर नं० 6-3-609/141
 आनन्दनगर 2. के० नरसीमलू 6-3-609/141
 भ्रानन्द नगर, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद रू समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबड़ा किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के घ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही घर्ष होगा जो उस धाड्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर नं० 6-3-609/141 म्रानन्द नगर हैदराबाद रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 1589/77 उप रजिस्टी कार्यालय खैरताबाद

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)
ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

न्नार० ए० सी० नं० 228/77-78-श्रयतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिस की सं० 1483 है जो जेमगम बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जन 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूद्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भ्रन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या भ्रन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त स्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री काकला श्रनसुजाबादु पती के० नारायना घर नं० 6987 राजामुदीलीयार सिकन्द्राबाद2. के० नारायना 1987 वही पता

(भ्रन्तरक)

(2) मीसी पेरूमल ग्रौर कम्पनी उसका पार्टनर नरेशकुमार 21-1-588रेकाबगंज हैंदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचमा की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
  धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उन्त प्रधित्तियम, के भध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मलगी नं० 1483 (3-4-351) जेनगम बाजार सिकन्द्राबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 939/77 उपरिजस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैवराबाव

दिनांक 10 फरवरी 1978 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाध

दिनांक 10 फरवरी 1978

न्नार० ए० सी० 229/77-78-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से मधिक है श्रीर जिस की सं० 1-10-52 हैं, जो बेगमपेट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्णे रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 77 सम्पत्ति उचित के बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों)भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्र से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उकत अधि-नियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— (1) श्री कोलम जनार्दन रेडी घर नं० 1-10-52 बेगमपेट सिकन्द्राबाद नलगोन्डा जिला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री साम धनता रेडी पिता मारा रेड्डी स्नामदापुर गांघ चेबेला हैंदराबाद घर नं० 1-10-52 बेगमपेट हैंदराबाद (स्नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भन्नि-नियम के भन्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं प्रर्थ होगा जो उस भन्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

घर नं० 1-10-52 (पुराना नं० 82) बेगमपेट सिकन्द्राबाय 1115 वर्ग यार्ड विस्तरेण हैं रिजस्ट्री दस्तात्रेज नं० 840/77 उपरजिस्ट्रार सिकन्द्राबाद में

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978 मोहर: प्रकप द्याई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० ग्रार० ए० सी० 230/77-78---यतः मझे के० एस० वेंकट रामन

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घित्रियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से घाष्टिक है

स्रीर जिस की सं० 3-4-349 से 350 है, जो तबाकुबाजार स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अभील 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर प्रत्तरक (प्रत्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बाह्तजिक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित क्यक्तियों, सर्यात् :---

- (1) श्री वेमुला विश्वानाथम पुष्त वी० नागन्ना घर नं० 7-2-103 साजनलाल गली सिकन्द्राबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तलाबाई पत्नी सत्यानारायना शर्मा घर घर नं० 21-2-93 चारकमान शमबाई, लेन, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की धवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलगी नं० 3-4-349 श्रौर 3-4-350 (पुराना नं० 1483) तबाकु बाजार सिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्ताबैज नं० 1116/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10 फरवरी 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मिनीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं • ग्रार० एस० सी० 231/77-78-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-६० से श्रधिक है

श्रीर जिस की सं० पलाट नं० 1 है, जो श्रीनगर कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैरलाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1098 (1908 का 16) के श्रधीन 1-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर भन्तरक (भन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के घधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाषकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मिविनयम, की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त मिविनयम की धारा 269-प की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री पी० के० भ्रमर घर नं० 140 श्रीनगर कालोनी हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० केशव राउ प्लाट नं० 1 केशवनगर कालोनी में श्रीनगर कालोनी हैंदराबाद

(भ्रन्तरिती)

(3) लाइफ इंग्मोरेंस कारपोरेशन इन्डिया हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पथ्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त धिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिकाषित है बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### यनुसूची

नया तामीर घर नं० -1 केशबकवापरेट हाउसिंग सोसाइटी श्रीनगर कालोनी हैदराबाद रजिस्ट्री का बस्तावेज नं० 1382/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

कें० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्र**ण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10 फरबरी 1978

## प्रकप माई०टी०एन०एस०---

धायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० तं० 232/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से ग्रिधिक है

भौर जिस की सं० 3/139 भ्राधा भाग है, जो गोटलूर गांव धरमा-वरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचीं में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्रनन्तापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त भिक्षितियम के भिन्नी कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत्:—

- (1) 1. श्री रेतीगुन्टा मेशस्या 2. श्रार० एस० कुशस्या
  3. श्रार० श्रस्यतनारायन 4. श्रार० एस० नागराजु
  5. श्रार० वेन्कटरतनम 6. श्रार० रिवन्द्रनाथ
  चेश्नाकेशवस्वामी टेम्पल धरमावरम श्रनन्तापुर जिला।
  (श्रन्तरक
- (2) रेनीगुन्टा रतनम 2. श्रीमती राजम्मा पत्नी रतनम 3. श्रार० वी० श्रस्त्रातानारायन 4. श्रार० मली-कारजुन राउ, धरमावरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ख्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

ग्राधा भाग मिल में दरवाजा नं० 3/139 गोतलूर गांव धरमावरम तालुक ग्रनन्तापुर जिला रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 491/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय में

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज हैंदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978 मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 10 फरवरी 1978

सं० श्रार० ए० सी० 233 / 77-78--⊷यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मिनक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 422 है, जो तीरुपित में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तीरुपित में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिकत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भ्राय को बाबत उक्त भ्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269ण के भ्रतु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 थे की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- (1) श्री कोतापली रामाक्वष्ता चेट्टी 2. श्रीमती के० कमलम्मा पत्ती के० रामाक्वष्ता चेट्टी 3. रामक्वणना-रामन 4. रामाक्वश्वनाक्वष्तन 5. रामा क्वशन श्री-निवासन डी० ग्राई० जी घर विशाखापटनम । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पारपली वेनकटा सुबय्या सुपरीमटेनडेन्ट टी०टी० डी० देवस्थानम गोविन्द राज नगर तीरुपति । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्तवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त भ्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क सें परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

## अमुसूची

वेकेन्ट साइट 528 वर्ग यार्ड टी० एस० नं० 472 तोर्थकट्टा 18 वार्ड गांधीनगर तीरुपति रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1073/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपति में

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978 मोहर : प्ररूर भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1300/77-78--ग्रतः मुझे, एन० एस० चोपड़ा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिस की सं० जी-1 है तथा जो माडल टाउन दिल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 24-6-1977

1908 (1908 का 16) क प्रधान, दिनाक 24-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त श्रिष्ठितयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनयम की धारा 249 म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती कान्ता जैन पन्नी श्री प्रदमन कुमार जन, निवासी 3/52, रूप नगर, विल्ली

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री हरबंस सिंह, (2) हरबिन्द्र सिंह, सूपुत्र श्री बेग्रन्त सिंह निवासी 3/3 सिंहसभा रोड, सब्जी मण्डी, दिल्ली (ग्रन्तरिती)
- (3) मैंसर्ज रेगुना लेस्टोरेंट (2) श्रीमती स्वर्ण कान्ता, (3) श्री मलक्यित सिंह (4) श्री उधम सिंह (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वौक्त सम्पित के श्र**र्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रिझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रिवियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

# अनुसूची

एक व्यावसायिक श्रचल सम्पत्ति जो कि तीन तरफ खुले 500 वर्ग गज फीहोल्ड प्लाट की भूमि पर बनी है धौर प्लाट नं जी-1 माडल टाउन दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

उत्तर---मकान नं० जी-2 दक्षिण----रोड पूर्व---रोड पश्चिम---सर्विस लेन

> एन० एस० चौपड़ा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, बिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 मार्च 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2.69 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, 1-दिल्ली-1

4/14क, भ्रासफ्रमली मार्ग

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

निर्वेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/61 जून 1(6)/77-78--- प्रतः मृझे जे० एस० गिल धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इपये

से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० सी-132 है तथा जो ग्रेटर के लाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-1977 को

पूर्वोक्त [सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्सरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से धधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/पा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिश्चनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

मत: मन, उनत मधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269 म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:---

(1) श्री कुलबीर सिंह सारा पुत्र श्री दारा सिंह निवासी 23 हैबलोक रोड़, कानपुर केन्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राज चोपड़ा पुत्र श्री कें सी० चोपड़ा निवासी एस्-210 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पच्छीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रध-नियम के ब्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फी होल्ड जमीन का प्लाट नं० सी-132 जिसका क्षेत्रफल 310.2 वर्ग गज है जोिक ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:----

पूर्व--प्लाट नं० सी 130 पश्चिम ----प्लाट नं० 134 उत्तर--रोड दक्षिण---सर्विस लेन

> जे० एस० गिल सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 7 मार्च 1978

मोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 🎹, विल्ली-1

> 4/14क, ध्रासफन्नली मार्ग नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यु०/III/679(7)/77-78---श्रतः मुझे, ए० एल० सुद

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

धौर जिसकी सं० 13/29 है तथा जो मृन्यु० नं० 10615 नाई वाला, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-6-1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन व मन्य ध्रास्तियों को जिन्हों भारतीय ध्राय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्रीमती गुरदीप कौर सुपुत्री श्री तिलोक सिंह निवासी 11/10 पुसा रोड नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शोधा रानी पत्नी श्री बी० डी० मेहरा निवासी ए-4 ग्रेटर कैलाश एनक्लेब पार्ट-II, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जायदाद नं० 13/29 मृत्युसियल नं० 10615, नाई वाला करौलबाग नई दिल्ली क्षेत्रफल 280 वर्ग गज जिसका प्लाट नं० 29 ब्लाक नं० 13 (डब्ल्यु ई० ए०) खसरा नं० 1531/1147 पर 2.1/2 मंजिला जायदाद जाहिर की गई है तथा निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

> ए० एल० सूद सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 7 मार्च 1978

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1
4/14क, श्रासफश्रली मार्ग,
नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू० 1/एस० श्रार० 3/जून 1(8)/77-78--श्रतः मुझे, जे० एस० गिल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिस की सं० एस-67 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रिजस्टीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 4-6-1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने म सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मैसर्स एटलस श्रोवरसीज (प्रा०) लि० ई-1/2 झंडेवाला एक्सटेंशन-नई दिल्ली-5।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री परिपाओ पत्नी श्री पी० एल० परिमाओ "गिरधर" निवासी 30 सोरभ सोसायटी, ड्राईवर्डन रोड़ श्रमदाबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य ध्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के प्रव्याय 20-क में परिमाणित हैं बही प्रयं होगा नो उस प्रव्याय में दिया गया है।

## प्रमुखी

जमीन का प्लाट नं० एस-67 जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज जो कि फीहोल्ड कालोनी ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पीछे--सर्विस लेन बायें--प्लाट नं० 66 दायें--प्लाट नं० 68 आगे--40 फुट चौड़ी सड़क

> जे० एस० गिल सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 3 मार्च 1978

मोहर:

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi-110011, the 28th February 1978

No. P.-1776/Admn.II.—Shri K. S. Nayak, formerly, Lecturer, Computer Science Unit, Indian Statistical Institute, Calcutta, who was earlier appointed as Programmer (the post since re-designated as Senior Programmer) in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. 2-3-76 to 28-2-78 vide this office notifications of even number dated 27-3-76, 9-6-76, 23-2-77 and 23-9-77, has been allowed to continue in the said post for a further period of two months w.e.f. 1-3-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Seey, for Chairman Union Public Service Commission

### New Delhi-110011, the 13th February 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—In continuation of this office notification No.A.32014/77-Admn.III, dated 19-1-78, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 11-2-78 to 28-2-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission

# ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 3rd February 1978

No. A-11/1/78.—The following Assistant Enforcement Officers are appointed to officiate as Enforcement Officers with effect from 26-12-77 and until further orders.

Their places of postings given below :-

S. Name No.		Place of postings:	
1 Mrs. Mary Kutty Thomas	•	Enforcement Dte., II. Qrs. office, New Delhi.	
2 Shri K.A. Kutuvilla .	•	Enforcement Dte., Bombay Zonal office, Bombay,	
3 Shri B.S. Guha	•	Enforcement Dte., Calcutta Zonal Office, Calcutta	

J. N. ARORA Deputy Director (Admn.)

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd February 1978

F. No. P-70/67-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Srivastava, an I.P.S. Officer of Madhya Pradesh Cadre as A.I.G. in the Central Bureau of Investigation with effect from 1-2-78 (F,N.) on his repatriation from Shab Commission of Inquiry.

F.No. A-19015/2/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Narendra Verma, Section Officer of Ministry of Home Affairs as Section Officer in the Central Bureau of Investigation (S.P.E.) New Delhi with effect from 13-2-78 (F.N.) until further orders,

### The 23rd February 1978

No. A -31014/2/77-Ad. 1.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, CBI and IGP, SPE, hereby appoints Shri K.S. Mathai, Substatively to the post of Office Superintendent in CBI, Department of Personnel and AR, with effect from 1st December, 1977:—

SI No		ne	Present place of posting	which, already permanent with date	Branch wherein lien kept on the permanent post of O.S. in CBI
	611i. 17. C	NA-41		Lieu d'Oleste	

1 Shri K.S. Mathai Bombay Head Clerk cum Head Office Accountant 12-5-1971

### The 24th February 1978

F.No. N-34/65-Ad.V.—The Services of Shri N. V. Jadeja, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, CIU(I), New Delhi (with Head quarters at Ahmedabad) has been placed at the disposal of the State Government of Gujarat with effect from the afternoon of 10-1-78.

A. K. HUI Administrative Officer (E) C.B.l.

### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 24th February 1978

No. O.II-979/74-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Sanjoy Kumar Ray, Jr. Medical Officer (GDO; Grade-II) 38th Bn., CRPF with effect from the afternoon of 31st January 1978.

No. O.II-1046/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Koshy Eapen as Junior Medical Officer in the CRPF, on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from forenoon of 1-2-78 or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1081/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Vijay Kumar Kodali as General Duty Officer, Grade II (Dy. S. P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13-2-78 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY

Assistant Director (Adm)

# OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 21st February 1978

No. E-16014(1)/18/73-Pers.—Shri V. V. Sardana relinquished the charge of the post of Commandant Bombay Air Port with HQrs at New Delhi with effect from the afternoon of 25th January 1978 and assumed the charge of the post of Asstt. Inspector General (Personnel), CISF HQrs, New Delhi with effect from the same date.

No. E-28013/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation, Shri G. R. Khosla relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Training Reserve No. 1 & 2, New Delhi with effect from the afternoon of 31st January 1978,

No. E-28013/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri T. P. Basu, relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 31st January 1978

L. S. BISHT, Inspector General/CISF

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhi, the 25th February 1978

No. 25/60/72RG(Ad.1).—Shri B. Ghose relinquished charge of the office of the Director of Census Operations, West Bengal, held by him in ex-officio capacity, on the forenoon of 1st February, 1978.

P. PADMANABHA

Registrar General

### No 1, the 25th February 1978

No. 2/1/75 d.l.).—The President is pleased to appoint Shri H. Majumdar as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tripura, with his headquarters at Agartala, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 6th February, 1978, until further orders.

2. Shri Majumdar has been allowed "notional" promotion as Deputy Director of Census Operations, with effect from 1-10-1975, the date on which Shri B. Narasimha Murthy, his next junior in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), was promoted as Dy. Director of Census Operations.

BADRI NATH Dy. Registrar General & ex-officio Dy. Secy.

### MINISTRY OF DEFENCE

### INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 17th February 1978

No. 6/77/A/M,—The following amendment is made to the Draft Gazette Notification No. 5/77/A/M issued under No. 375/A/M dt. 26-12-77.

Against Sl. No. 5 Factory

For: Ammunition Factory, Kirkee.
Read: Ordance Factory, Khamaria.

No. 7/77/A/M.—The following amendment is made to the Draft Gazette Notification No. 4/77/A/M issued under No. 375/A/M dt. 26-12-77.

Against Sl. No. 8 Factory

For: Ordance Factory, Bhusawal.

Read: Ordance Factory, Varanagon,

No. 8/77/A/M.—The following amendment is made to the Draft Gazette Notification No. 2/77/A/M issued under No. 375/A/M dt. 29-12-77.

Against S.l. No. 11 Date

For : 29-9-77.

Read : 27-8-77.

A. K. GUPTA

Lt, Col. DDHS ---

for Director General, Ordnance Factories
(DHS on leave)

## MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS,

New Delhi, the 24th February 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL 
ESTABLISHMENT

No. 6/502/56 Admn(G)/1874.—The President is pleased to appoint Shri I. V. Chunkath, an officer permanent in Grade

- I of the CSS in the Selection Grade of that service for the period from 1-9-1977 to 17-10-1977.
- 2. The President is also pleased to appoint Shri I. V. Chunkath, as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, for the aforesaid period.

K. V. SESHADRI Chief Controller of Imports and Exports.

# MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-20, the 18th Februray 1978

N. CLB I/1/6-G/77—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No CLB 1/1/6-G/71 dated the 13th January 1972, namely:

In the Table appended to the said notification against S. No. 12 for the existing entries in columns 2, 3 and 4 the following shall be substituted namely:

1	2	3	4
"12	(i) Director of Industries, Punjab	Punjab	12(6), 12(6A), 12 (7A), 12 (7AA), 12C and 12E
	(ii) State Textile Officer, Punjab	Dо	Do
	(iii) Joint Director of Industries, Punjab	Do	Do
	(iv) Assistant Direc- tor of Industri- cs, Punjab	Do	12(6) and 12C
	(v) Textile Officer, Marketing and Development, Punjab, Amritsar	Do	12(7A)
	(iv) Senior District Industries Officers/ All District In- dustries Officers/ Project Officers (Ind) in charge of Districts	In their respective districts in Punjab	12(6), 12(7 <b>A</b> ) & 12C''

No. 18(1)/77/CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following furthe amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2) 67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely:—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 12, the existing entries under columns 2,3 and 4 shall be substituted by the following entries, namely:—

1	2	3	4
12	(l) Director of Industries, Punjab	Punjab	6, 6C, 7A, 8 & 8A
	(li) State Textile Offi- cer, Punjab	Do	Do
	(ili) Joint Director of Industries, Punjab	Do	Do
	(iv) Assistant Direc- tor of Industries, Punjab	Do	6 and 7A
	(v) All Senior District Industries Officers/ All District Industries Officers/Project Officers (Industries) in Charge of Districts	Within their respective juris- diction in Punjab	6 and 7A

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 22nd February, 1978

No. A-1/1(423).—The President is pleased to appoint Shri Bharat Bhushan, an officer of Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A' in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') on ad hoc basis in the same Directorate General at New Delhi from the forenoon of the 9th February, 1978 and until further orders.

### The 23rd February 1978

No. A-1/42(41)/IV.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers substantively to the grade of Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the date indicated against the name of each officer :-

> S.No., Name of the Officer, Present post held, Date from which confirmed, Remarks

S/Shrt

- 1. R. G. Badlani, Dy. Director, 31-1-1969,-
- 2. Shyam Kishore Mallick Dy. Director, 31-1-1969.—
- 3. Raman Asstt. Director (Grade I), 30-3-1971.—
  No. A-1/1(648).—On proceeding on leave, Shri M. Sundararaman, officiating Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi reverted as Deputy Director (Grade II of ISS) with effect from 9-12-1977 (A.N.).
- 2. The President is pleased to appoint Shri M. Sundararaman, Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals to officiate on ad hoc basis as Director (Grade I of the Indian Supplies Service) Supply Service) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 1st February, 1978 and until further orders.

## The 27th February 1978

No. A-1/1(1080).—On the recommendations of the U.P.S.C., the Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following officers to officiate as Assistant Director (Grade II) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 1st February, 1978 and until further

- 1. Shri C. Arumugam.
- 2. Shri S. K. Chattopadhyay.

## (ADMN. SEC. A-6)

The 23rd February 1978

No. A6/247(459).—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri O. N. Lashkari, Examiner of Stores (Engg.) in the N. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting officer (Engg.) in the Calcutta Inspectorate w.e.f. the forenoon of 18th January, 1978 purely on ad hoc basis until further orders.

No. A/17011/123/77-A6.—Shri S. Sen, Asstt. Inspecting Officer (Met.) of the office of Dy. Director of Inspection (Met.) Durgapur under Burnpur Inspectorate expired on

No. A6/247(618).—Shri S. C. Mehan, Asstt. Inspecting officer (Engg.) of the office of Director of Inspection, Northern Inspection Circle, New Delhi under this Directorate General expired on 3-1-1978.

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 18th February 1978

No. A6/247(261)/71-III.—Shri S. K. Sircar permanent Asstt. Inspecting Officer (Met.) and officiating Asstt. Director of Inspection (Met.) in Grade III of IIS (Class I) Met. Branch in the office of the Director of Inspection (Met.) Burnpur under this Dto. General expired on 30-1-78.

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Admn.)

### MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPTT. OF MINES

### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 21st February 1978

No. 1477/B//2181(GNS)/19B.—Shri G. N. Sachan, Assistant Chemist Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 14-9-77 for joining his new appointment in Mineral Exploration Corporation Ltd., as Chemist.

The 23rd February 1978

No. 1657/B/2181(DM)/19B.—Shri Dinabandhu Misra, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released on resignation from the services in the Geological Survey of India with effect from the forenoon of 23-11-1977 for joining his new appointment as Chemist in the Hindustan Steel Limitude Paragraphy. ted, Rourkela.

V. S. KRISHNASWAMY

Director General

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th February 1978

No. A-31014/2/77-SV.-The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. S. Nagarcencar, a permanent Administrative Officer (Junior Grade) All India Radio, and presently working as Deputy Director (Accounts). Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay in a substantive capacity in the post of Inspector of Accounts in Directorate General; All India Radio with effect from the 1st, March, 75.

S. V. SESHADRI

Dy. Director of Administration, for Director General.

New Delhi, the 23rd February 1978

No. 4(30)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kumar Chatterjee as Programme Executive, All India Radio, Rajkot in a temporary capacity with effect from 31st January, 1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ

Dy. Director of Administration,

for Director General.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd February 1978

No. A.19020/26/76-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri T. N. Kuppuswami, Administrative Officer, Willingdon Hospital, New Delhi, retired from Government service on the afternoon of the 31st January, 1978.

> S. L. KUTHIALA Dy. Director Administration (O&M)

### MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

### (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

### OFFICE OF THE DIRFCTOR, INTEGRATED FISHERIES PROJECT

Cochin-16, the 16th January 1978

A2/7-110/65.—Shri K. S. George Vincent, Supervisor (Electrical) is appointed as Assistant Engineer (Electrical), GCS-Class II (Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Integrated Fisheries Project in a temporary capacity with effect from the Forenoon of 28-10-1977.

B. KRISHNAMURTI

Director

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 16th January 1978

No. TAPS/1/19(3)/76-R—The Chief Superintendent. Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in TAPS as Assistant Accounts Officer in the same Power Station on a purely ad hoc basis with effect from 16-11-1977 until further orders.

A. D. DESAL

Chief Administrative Officer

### REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 1st February 1978

No. RRC/PF/3056/78-3122.—Consequent upon his transfer from the Centralised Waste Management Facility of the Bhabha Atomic Research Centre, Kalpakkam, Project Direc-Bhabha Atomic Research Centre, Kalpakkam, Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Ramaswamy Narayanan, an officiating Assistant Personnel Officer of the Centralised cadre of Assistant Personnel Officers/Assistant Administrative Officers of the Department of Atomic Energy as an Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre in a temporary capacity, with effect from the forenoon of January 21, 1978 until further orders.

> R. H. SHANMUKHAM Administrative Officer for Project Director

# DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SHAR CENTRE

Sriharikota, the 16th December 1977

No. SCF: P&GA: Estt: 1.72.—The Director is pleased to appoint on promotion Shri Ch. Bhaskara Subba Rao to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an October, 1977 until further orders.

R. GOPALARATNAM

Head, Personnel and General Administration

for Director

### Sriharikota, the 27th January 1978

No. SCF:P&GA:Est-1.72.—The Director is pleased to appoint on promotion Shri P. Natarajan, to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1977 until further orders.

### R. GOPALARATNAM.

Head, Personnel and General Administration

### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th February 1978

No. F(I)04185.—On attaining the age of superannuation Shri A. C. Paul, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, retired from the Goyt, service with effect from the afternoon of 31st January, 1978.

G. R. GUPTA,

Meteorologist (Establishment). for Director General of Observatories

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th February 1978

No. A.35018/2/78-E.I.—The President is pleased to appoint Sbri T, V. Rajeswar, I.P.S. (AP: 1949) as Civil Aviation Security Co-ordinator in the Civil Aviation Department in the pay scale of Rs. 2500-125/2-2750, for a period of one year in the first instance with effect from the 18th January, 1978.

P. C. JAIN,

Assistant Director of Administration, for Director General of Civil Aviation

### New Delhi, the 17th February 1978

No. A.32013/2/77-E.I.(i).—The President is pleased to appoint Shri V. Ramasubramanyam, Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department to the post of Director, Planning & Evaluation in the Communication Directorate of Civil Aviation, on ad-hoc basis with effect from 31-1-1978 (afternoon), for a period of one year or till regular appointment to the post of Director, Planning & Evaluation is made. whichever is earlier.

No. A.32013/2/77-E.I.(ii).—The President is also pleased to appoint Shri J. S. Kapur, Deputy Director, (Tarff Examinations) to the post of Director, Training & Licensing. Civil Aviation Department, on ad-hoc basis with effect from 31-1-1978 (afternoon), for a period of one year or till the post of Director, Planning & Evaluation in the Communication Directorate, is kept filled by transfer on ad-hoc basis, which were in accellant. whichever is earlier.

P. C. JAIN.

Assistant Director of Administration

## New Delhi, the 13th February 1978

No. A.39012/2/77-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. K. Tandon, Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay with effect from the 27-10-77 (AN).

### The 21st February 1978

No. A.32013/16/76-EC.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Communication Officers at present working as Communication Officer on ad-hoc basis, as Communication Officer on regular basis in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 12-12-1977 (FN) and until further orders at the station indicated against each:—

- S. No., Name, Office and Station of Posting
- Shri J. N. Lance—Regional Controller of Communication, Sufdarjung Airport, New Delhi.
- Shri B. A. Belliappa-Officer-in-charge, A.C.S. Bangalore.
- Shri K. S. Gopalan,—The Controller of Communication, ACS, Madras.

### The 23rd February 1978

No. A.32013/10/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. D. Khanna, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Technical Officer on regular basis with effect from the 18-1-78 (FN) and until further orders and to post him in the same station.

No. A.12025/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri Devinder Singh as Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 24-1-78 (FN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay.

S. D. SHARMA, Dy. Director of Administration.

### New Delhi, the 21st February 1978

No. A.12025/7/75-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. M. Goyal as Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in an officiating capacity which effect from 30-1-1978 and until further orders and to post him in the Office of the Senior Aircraft Inspector Incharge. Aeronautical Inspector Office, Lucknow Airport, Lucknow.

S. L. KHANDPUR, Assistant Director of Administration

### Kanpur, the 6th August 1977

No. 104/77.—Shri Jagdish Singh, Superintendent, Central Excise Group 'B' formerly posted at IOD Kanpur-I Divn. having been compulsory retired under I'R. 56(J) w.e.f. 23-12-75 (AN) by giving him three months pay and allowances in lieu of notice vide order issued under endorsement C. No. II(3)Confl/61/75/HAC/Pt/3016 dated 20-12-75, handed over the charge of his post in the afternoon of 23-12-77 to Shri T. S. Bisaria, Supdt. C. Ex. Kanpur-I and retired from Govt. Service w.e.f. 23-12-1975 (AN). He should remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 18-10-76, and should get leave salary reduced by the amount of pension and pension equivalent of other retirement benefits as provided in rule 40(7)(a) of Central Civil Service (Leave) Rules, 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

No. 105/77.—Shri Surendra Mishra, Officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' previously posted at Hdqrs. office Kanpur having been compulsory retired under F.R. 56(J) w.e.f. 23-12-75(AN) by giving him three months pay and allowances in lieu of notice vide order issued under endorsement C. No. 11(3) Confi./61/75/HAC/Pt/3020 dated 20-12-75, relinquished the charge of his post in the AN of 23-12-75 and retired from Government service w.e.f. 23-12-75. He will remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 13-10-77, and will get leave salary reduced by the amount of pension and pension equivalent of other retirement benefits as provided in rule 40(7)(a) of Central Civil Service (Leave) rules 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

K. S. DILIPSINHJI Collector Central Excise Kanpur

# CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : MADHYA PRADESH

Indore, the 28 February 1978

No. 1/78.—Consequent upon their promotion as Superintendents of Central Excise, Group 'B' th following Inspec of Central Excise (S.G.) have assumed their charges as Superin-

tendent of Contral Pacise, Group 'B' as shown against their names:--

S. Name of Officer No.		Place of posting	Date of Assumption of charge
1. V.K. Handa ,		Supdi . RBC Assessment. Range No. II Hqrs Indore	16-1-78 F.N.
2. M. B. Athale .	•	Supdt. M.O.R. IV Indore	16-1-78 F. N.
3. G. N. Markandey		Supdt. (Stat.) M. P., Coll'te at Nagpur	17-1-78 F.N.
4, K. L. Shrivastava		Supdt , M, R, I , Gwalior	16-1-78 F .N.
5. P. N . Dange .		Supdt. (Audit ) Hars Indore	16-1-78 F. N.
6. S. C. Shrivastava		Supdt . Raipur outer	23-1-78 F. N .
7, M. P. Mailar Pawar	•	Supdt, RBC assess- ment Range No. V Dn. Raipur	30-1-78 F. N.
8. N. K. Diwan .		Supdt. Isolated Ranges Champa	16-1-78 Λ. Ν.
9. R. D. Malhotra .		Supdt, Isolated Ranges Dhar,	21-1-78 F. N .
19. M. Rashid .		Supdt . (II) Ranges Dn. Indore	16-1-78 F. N .
11. G. B. S. Pawar		Supdt , Durg	24 -1-78 F. N.

M. S. B. INDRA Collector

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

## Bombay-1, the 21st February 1978 MERCHANT SHIPPING

No. 6(5) CRA/77.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri Hanazing Shithung to officiate as Asstt. Director, Seamen's Employment Office. Calcutta with effect from the forenoon of the 9th January, 1978 and until further orders.

M. WALA,

Dy. Director General of Shipping.

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 24th February 1978

No. A-19012/639/77-Adm.V.—On the recommendations of Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Harendra Nath Dakua as Extra Assistant Director (Hydro-Met.) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 4th January, 1978, until further orders.

- 2. Shri Dakua assumed charge of the post of Extra Assistant Director (Hydro-Met.) in the Central Flood Forecasting Organisation, Central Water Commission, Patna.
- 3. Shri Dakua will be on probation for a period of two years with effect from 4-1-78.
- 4. Shri D. S. Madan, Senior Professional Assistant (Hydro-Met.) appointed to officiate as Extra Assistant Director (Hydro-Met.) on ad hoc basis, stands reverted to the post of Senior Professional Assistant (Hydro-Met.) with effect from 4-1-78 (F.N.).

J. K. SAHA, Under Secy. Central Water Commission

## DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 10th February 1978

No. 27/42/77-ECIX.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Dipak Ranjan Sen, Architect, attached to Senior Architect (NZ)X, C.P.W.D., New Delhi with effect from 13-2-78 (FN),

### The 25th February 1978

No. 27/3/78-ECIX.—The Director General of Works, C.P.W.D. is pleased to appoint Shrimati Chandra Bancriee nominated by the U.P.S.C. against temporary post of Assistant Architect (G.C.C.S. Group B) in the CPWD on a pay of Rs. 810/- P.M. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-2-78 F.N. on the usual terms and conditions.

- 2. Shrimati Bancrjee is placed on probation for a period of two years with effect from 6-2-78 FN.
- 3. Shrimati Bauerice is posted in the office of the Chief Engineer (EZ) CPWD, Calcutta with effect from 6-2-78 F.N against the existing vacancy.

D. P. OHRI.

Dy. Director of Administration

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS) CFNTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th February 1978

No. 27-EE/R(10)-69-FCH.—Shri S. N. Ray, Surveyor of Works (Elect.) attached to Superintending Engineer (El.) Calcutta Central Electrical Circle I, CPWD Calcutta, epired on 28-1-78.

S. S. P. RAU, Dy. Director of Adını.

\_\_\_\_\_

for Director General (Works)

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Chettinad Automotive Private Limited

Madras 600 006, the 21st February 1978

No. 5874/560(5) /77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chettinad Automotive Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN.
Asstt. Registral of Companies
Tamil Nady

In the matter of Companies Act, 1956 and of Eastern Refab Technology Private Limited

Gwalior, the 22nd February 1978

No. 1270/A/1189.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date here of the name of the Fastern Retab Technology Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Raigarh Industries Private Limited Gwalior, the 23rd February 1978

No. 899/PS/1218.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Raigarh Industries Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. R. BOHRA, Registrar of Companies,

Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Conarc Trading Corporation Private Limited Cuttack, the 27th February 1978

No. S.O. 186/6436(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956, that the name of M/s. Conarc Trading Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 and of M/s. Geeta Tubes Private Limited.

Cuttack the 27th February 1978

No. S.O.501/6437(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Geeta Tubes Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL,

Registrar of Companies, Orissa.

## INCOME TAX DEPARTMENT New Delhi, the 20th February 1978

No. Coord./Pub./Delhi/E/76-77/44900.—Following is list showing the names of Individuals and HUFs, who have been assessed on a Wealth of more than ten lakhs of tupees during the financial year 1976-77. (i) indicates status 'I' for Individual and 'H' for HUF (ii) for assessment year (iii) for wealth returned (iv) for wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assessees:—

(1) PZ-4101, Birmo Devi C/o. D.C.M. Premises, Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 10,88,300 (iv) 10,87,900 (v) 23 516 (vı) 23,536 (2) Liela Aggarwal 42. Janpath, New Delhi (i) I(ii) 1976-77 (iii) 11,77,560 (iv) 11,94,891 (v) 27,796 (vi) 28,000.

K. N. BUTANI, Commissioner of Income-tax, Delhi-1, New Delhi

### FORM ITNS----

(1) Shri Pran Kumar Mukherjce.

(Transferor)

(2) Shri Kalyan Pal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

IAC: ACQ. RANGE: IV: CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1978

Ref. No. AC-35/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 208/1B, situated at Barrackpore Trunk Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 7 cottahs 9 chittaks 43 sft. situated at 208/1B, Barrackpore Trunk Road, P. S. Baranagar, 24-Pgs., more particularly as per deed no. 5564 P of 1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-2-1978.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th February 1978

Ref. No. CHD/65/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCO No. 125, Sector 28-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col. Kanwal Nam Singh S/o Shri Kuldip Singh, R/o. 1114, Sector 33-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sahib Ditta Mal Sahni s/o Shri Shankar Dass Sahni, 2. Smt. Saraswati Devi W/o Shri Sahib Ditta Mal Sahni, Residents of H. No. 126, Sector 16-D, Chandigarh.

(Transferee)

 M/s. Sai Auto Industries, SCO No. 125, Sector 28-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2½ storeyed building bearing No. SCO. 125, situated in Sector 28-D, Chandigarh. The total area of land is 84.58 sq. vards.

(Property as mentioned in sale deed registered by the Registering Authority, Chaudigarb at Sr. No. 787 dated 3-11-1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 27-2-1978.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th February 1978

Rof. No. BGR(DI.1)/3/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Factory building situated at 14/4, Mile Stone, Mathura Road, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iniome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Grover Plastic Industries, R-808, Rajindra Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Elofic Industries (Pvt.) Ltd., C-44, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) 1, M/s. Generator India (P) Ltd., 2, M/s. Eicher Tractors India Ltd., 3. M/s. Elofic Industries India, 14/4, Mile Stone, Mathura Road, Faridabad. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory building situated at 14/4 Mile Stone, Mathura Road, Faridabad.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Registering Authority, Delhi at Sr. No. 361 dt. 12-9-77).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 27-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st March 1978

Ref. No. KNL/13/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Factory shed at Meerut Road, situated at Karnal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Karnal in June, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sh. Bahadur Chand S/o Sh. Hira Nand, 2. Sh. Satpal alias Satdev s/o Sh. Bahadur Chand, R/o Mecrut Road, Karnal.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Daulat Ram s/o Sh. Khem Chand, 2. Sh. Ghansham Dass s/o Sh. Ram Chand, C/o Modern Agro Engg. Works, Kunjpura Road, Karnal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory shed alongwith brick masonry compound wall situated at Mecrut Road, Karnal.

(Property as mentioned in the sale deed No. 2019 dated 17-6-1977 registered in the office of Registering Authority, Karnal).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 1-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFIFCE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Rcf. No. A.P. No. 124/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property as aforesaid exceeds the apparent consideration and bearing

No. As per schedule situated at Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shmt. Kaushaliya Devi wd/o Late Sh. Vishwa Nath,
 Shri Hari Om s/o late Shri Vishwa Nath,
 Miss Santosh Kumari d/o Sh. Vishwa Nath c/o Mahavir Ginning Mills, Mansa.

(Transferor)

(2) S/Shri Devki Nandan, Sehdev, Naval Kumar ss/o Sh. Pyare Lal, 2. Shmt. Satya Devi w/o Sh. Pyare Lal c/o M/s Banarsi Dass Mandhali Wale, Commission Agents, Grain Market, Mansa.

(Transferec)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One godown in Mansa as mentioned in sale deed No. 2191 of July, 1977 registered with the S. R. Mansa.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 125/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Lohian

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on Aug., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inocome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weather-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14—496GI/77

(1) Sh. Puran Singh s/o Sh. Nagahia Singh s/o Sh. Roor Singh, village Rupewali, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o Sh. Kewal Singh s/o Sh. Santa Singh, village Lohian, Teh. Nakodar.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 Kanals and 19 marlas in village Lohian, Teh. Nakodar us mentioned in sale deed No. 973 of Aug., 1977 registered with the S. R. Shahkot.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 126/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Batala Garbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Bachittar Singh s/o Sh. Mehtab Singh, R/o Kothi Mian, Teh. Batala.

(Transferor)

(2) Sh. Swarn Singh s/o Sh. Chanda Singh, R/o Umar Pura, Teh. Batala.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Kanals and 5 marlas in Batala Garbi, Teh. Batala as mentioned in sale deed No. 2984 of July, 1977 registered with the S. R. Batala.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-3-1978.

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 127/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Hardothala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Dasuya on Aug., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

12-506 GI/77

(1) Sh. Waryam Singh s/o Sh. Makhan Singh, village Hardothala, Teh. Dasuya.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdev Singh Kalkat s/o Sh. Kishan Singh, village Kainthan, Teh. Dasuya.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 Kanals and 10 marlas in village Hardothala, Teh. Dasuya as mentioned in sale deed No. 2000 of Aug., 1977 registered with the S. R. Dasuya.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 128/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Ihcome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Lohian.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on Sept., 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Sh. Puran Singh s/o Sh. Nagahia Singh s/o Sn. Roor Singh, village Rupe Wali, Teh. Nakodar.

Transferor)

(2) Sh. Kewal Singh s/o Sh. Santa Singh s/o Sh. Bagga Singh, village Lohian, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Ozjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanals and 16 marlas in village Lobian, as mentioned in sale deed No. 1114 of Sept., 1977 registered with the S. R. Shahkot.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-3-1978,

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 129/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Tanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dasuya on Aug., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Balwant Singh s/o Sh. Harnam Singh, V & P.O. Tanda, Teh. Dasuya.

(Transferor

(2) S/Sh. Jagdish Singh, Malklet Singh ss/o Mahesha Singh, V & P.O. Tanda, Teh. Desuya.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 Kanals and 4 marlas in village Tanda as mentioned in registration deed No. 2229 of Aug., 1977 registered with the S. R. Dasuya.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-3-1978.

Scal:

(1) M/s. Indra Electricals, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Jaipur Bottling Company, Jotwara.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd March 1978

Ref. No. Raj/IAC.(Acq.)/389.--Whereas, 1, M. P. VASISH-THA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. E-14 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 15th June, 77

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

### THE SCHEDULE

Factory building situated at plot No. E-14, Vishava Karma Industrial Area, Jaipur, more fully discribed in conveyance deed No. 1005 dated 15-6-77 by the Sub-registrar, Jaipur.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-3-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 27th February 1978

Notice No. 207/77.78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax: Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

R. S. 231 situated at Belgaum, Goodshed Road (Upper side) Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum, Under document No. 1019/77.78 on 23-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dattamaya Maruti Gandhawale, 2. Shri Narayan Keshav Gandhawale, R/o Yamkanamardi Post, Taluk: Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Ratanshi Devji Patel Saw Mill Owner, Goods-shed Road, Belgaum City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property consists of open space and sheds situated at Goodshed Road (Upper Side), Belgaum, Bearing R. S. No. 231, Admeasuring Area 11750 sft.

D. C. RAJAGOPALAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date: 27-2-1978.

Shri A. Arokiasami Pillai S/o Shri S. Arulanandam Pillai, Maris Thope, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. A. Pancros S/o Shri G. Arokiasami, Mettu St., Perambalur, Trichy Dist.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1978

Ref. No. F.3885/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

No. Door Nos. 156 and 157 situated at Ward No. 4, Mettu

Street, Perambalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Perambalur (Doc. No. 901/77) on 6-6-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 156 and 157, Ward No. 4, Mettu Street, Perambalur, Trichy Dist. (Doc. No. 901/77—Perambalur).

> K. PONNAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-2-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1979

Ref. No. F. No. 3893/June/77.--Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 442, North Main St. situated at Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Thanjavur (Doc. No. 1373/77) on 1-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to blieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Nanabai Dave, 2/82 Mint St., Madras.

(Transferor)

(2) Smt. T. Akilambal Ammal W/o Shri P. S. Thangamuthu, Nattar of Thanjavur Kallaperambur, Tanjore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 5928 Sq. ft. (with building) bearing T. S. No. 442, Municipal Ward No. 4, North Main Street, Thanjavur. (Doc. No. 1373/77—JSR I, Tanjore).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-2-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Shri A. T. Pichamuthu Chettiar S/o Shri A. Thirumalai Chettiar, No. 10 Narasimhapuram South St. Karur.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1978

(2) Shri K. Ponnuswami S/o Shri Karuppanna Nadar, No. 73 Dindigul Road, Karur.

(Transferee)

Ref. No. F. 3895/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 87, Bye Pass Road situated at Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur West (Doc. No. 2005/77) on 13-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 87, Bye-pass road, Karur. (Doc. No. 2005/77—Karur West).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

Date: 16-2-78,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1978

Ref. No. F.3899/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, Devarajan St., situated at Vedachala Nagar, Chingle-put

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chingleput (Doc. No. 1125/77) on 27-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13 - 506 GI / 77

 Mrs. K. S. Ranganayaki; Mr. K. S. Srinivasan; and Mr. K. S. Raman, No. 137 Car St., Madhuranthakam.

(Transferor)

(2) Smt. S. Mariyam Bee W/o Shri T. A. Hussain, No. 112 Mosque St., Thirukkazukundram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 12, Devarajan Street, Vedachala Nagar, Chingleput.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, Madras-6.

Date: 16-2-78.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1978

Ref. No. 3910/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7-S Ramakrishnapuram situated at Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Doc. No. 2255/77 Karur West on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fai market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Pichamuthu S/o Shri Sengoda Gounder, 9P8 Ramkrishnapuram, Karur.

(Transferor)

(2) Shri P. Kaliappan S/o Shri Palaniappa Gounder, 86 Jawahar Bazar, Karur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing No. 7-S, Ramakrishnapuram, karur. (Doc. No. 2255/77—Karur West).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-2-78.

Scal:

### FORM ITNS----

 Shri P. V. M. Muthusami Chettiar, No. 129 South Chitrai St., Srirengam, Trichy-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Veerappan @ Raja,
 S/o Shri Ramudu Chettiar,
 No. 56 Periyachetti St.,
 Trichy.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1978

Ref. No. 3915/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52, Kuruvian Kula St. situated at Trichy-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Trichy (Doc. No. 871/77) on 28-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 52, Kuruvian Kula Street, Tiruchirapalli. (Doc. No. 871/77—JSR III, Tiruchirapalli).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-2-78

 Shri Ramakrishna Pillai, III Street, Mannargudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Hameed, No. 18 Ismail St., Koothanallur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3888/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No 2747, Block 43 situated at Ward No. II,

135 Asesham village, Mannargudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. No. 1081/77) on 8-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing T.S. No. 2747 Block No. 43, Ward No. II, No. 135 Asesham village, Mannargudi Town. (Doc. No. 1081/77).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F. 3888/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bering No.

TS 2747, Block 43 situated at Ward No. 11.

135 Asesham village, Mannargudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. No. 1111/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:—

 Shri Ramakrishna Pillai, S/o Shri Kuppusami Pillai, III Street, Mannargudi.

(Transferor)

(2) Smt. P. A. Nazimunnisa, W/o Shri Mohamad Kasim, No. 18 Ismail St. Koothanallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing T.S. No. 2747 Block No. 43, Ward No. 11, 135 Asesham village Mannargudi Town. (Doc. No. 1111/77).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M. Harikrishnan, S/o Shri Madhava Reddiar, Sannadhi St., Srimushnam, Chidambaram Tk.

(Transferor)

(2) Shri Gopalakrishnan, S/o Shri Bhuvaraha Chettiar, Bazar St., Srimushnam.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPLCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3902/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

55/1C1A1, situated at Bazaar Street, Srimushnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Srimushnam (Doc. No. 974/77) on 27-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dand and building bearing S. No. 55/ICIAI, Bazar Street, Srimushnam (Doc. No. 974/77).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shii M. Harikiishnan, S/o Shri Madhava Reddiar, Sannadhi St., Stimushnam, Chidambaram Tk.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohan Das, S/o Shri Bhuvaraha Chettiar, Bazaar St., Srimushnam.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3902/June/77.—Whereas, f. K. PONNAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

55/1C1A1, situated at Bazaar Street, Srimushnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Stimushnam (Doc. No. 979/77) on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the li. bility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 55/1C1A1, Bazar Street, Srimushnam (Doc. No. 979/77).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. Harikrishnan, S/o Shri Madhaya Reddiar, Sannadhi St., Srimushnam, Chidambaram Tk,

(Transferor)

(2) Shri Renganathan, S/o Shri Bhuvaraha Chettiar, Bazaar St., Srimushnam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3902/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

55/1C1A1, situated at Bazaar Street, Srimushnam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Srimushnam (Doc. No. 980/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomeor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Sald Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person luterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land and building bearing S. o. 55/1C1A1, Bazar Street, Srimushnam (Doc. No. 980/77).

K. PONNAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M, Harikrishnan, S/o Shri Madhava Reddiar, Sannadhi St., Srimushnam, Chidambaram Tk.

(Transferor)

 Shri Steedharan, S/o Shri Bhuvaraba Chettiar, Bazaar St., Srimushnam.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3902/June/77,—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55/1C1A1, situated at Bazaar Street, Srimushnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Srimushnam (Doc. No. 996/77) on June 1977 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afrocsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 55/1CA1, Bazar Street, Stimushnam (Doc. No. 996/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

Scal:

14-50 6GI/77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 24th February 1978

Ref. No. 3903/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

56 Station Road, situated at Chrompet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. No. 4587/77) on 27-6-1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons pamely:

(1)3 Shri T. S. Partha, Asst. Professor, Pachiyappas College, Madras.

(Transferor)

(2) Shri W. Solomon (2) S/o Dr. S. K. Solomon, No. 56 Station Road, Madras-44.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 56, Station Road, Radha Nagar, Chrompet, Madras-44.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 24-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F.4339/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 12, situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 1478/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri V. R. Chandran Superintendent Inspection Section, Canara Bank, Divisional Office, Agra. (Represented by Power Agent: Shri K. R. Venkataraman, No. 18 Abhiramapuram 4th St., Madras).

(Transferor)

(2) Shri Govindharaj S/o Shri Venkatachalam No. 72-B, Bhavani Road, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 0-47 21/32 acre situated at S. No. 12, Erode.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Govindharaj
 S/o Shri Venkatachalam
 No. 72-B Bhavani Road,

Erode.

Madras.

(1) Smt. V. Balambal W/o Shri K. R. Venkatraman

(Transferec)

(Transferor)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F.4339/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 12, situated at Erode

(0-66 23/32 Acre)

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I Erode (Doc. No. 1479/77) on June 1977 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :~

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Represented by Shri K. R. Venkatraman No. 18 Abhiramapuram 4th St.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 0-66 23/32 acres bearing S. No. 12,

K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22 2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri E. R. Sambamurthy; Shri Srikandeswaran; and Shri Gnanasekaran No. 32, New Street, Erode.

(Fransferor)

(2) Shri Govindharaj No. 72-B Bhavani Road, Erode,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F.4339/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 12, situated at Erode (1.52 1/2 Acre)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1 Erode (Doc. No. 1480/77) on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 1-52 1/2 Acres bearing S. No. 12,

K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No 4344/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3-10-25A and 3-10-25C, situated at East St., Mettupalayam (half share)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettuapalnyam (Doc. No. 690/77) on 23-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the ald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S. Mohamed Sheriff; and Smt. E. Ayisa Bibi East St., Mettupalayam.

(Transferor)

(2) Shri Kader Mohaldeen (Minor) Represented by father and natural guardian Shri S. Mohamed Hanifa Annaji Rao St., Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 1/4 Cents (with building) and bearing Door No. 3-10-25A and 3-10-25C East Street, Mettupalayam (S. No. 901/1A).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F.4354/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 6 situated at Muthu Velappa Gounder St., Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Doc. No. 1660/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. PL. C. T. Vir Shanmughavalli Achi, W/o Shri PL. C. T. Vecrappa Chettiar S.K.C. Road, Near Surampatti Four Road, Erode.

(Transferor)

1. Shri S. P. Meenakshisundram Chettiar
 2. Shri M. Veerappan
 3. Shri Karuppan Chettiar and
 4. Shri M. Saminathan
 (Sl. Nos. 3 and 4 are minors and they are represented by Shri Meenakshisundram Chettiar)
 No. 79 Court St.,
 Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 6, Muthuvelappa Gounder Street, Erode.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. 5619/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5, Greams Road, situated at Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I (Madras North) (Doc. No. 344/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker
  - 2. Shri M. Thirunavukkarasu
  - Shi M. Anandan
     No. 1 First Link Street, CIT Colony, Madras-4;
  - Shri T. Govindaswamy No. 62-B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Khaja S/o late Shri K. E. Adam No. 124, Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share in land of 9954 Sft. and Plinth area 4250 Sft.—III Floor (Plot No. 8 & 9-A, Door No. 5 Greams Road, Madras-6) (Doc. No. 344/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.5619/June/77.--Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the. Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 8 and 9-A, situated at Door No. 5 Greams Road. Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at JSR-I Madras (North) (Doc. No. 345/77) on June 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-15-506GI/77

Shri M. Murugesa Naicker
 Shri M. Thirunavukkarasu
 Shri M. Anandan

No. 1 First Link Street, CIT Colony, Madras-4;

 Shri T. Govindaswamy No. 62-B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Mohammed Jabar S/o late Shri K. E. Adam No. 124, Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share in land of 9954 Sft. and Plinth area 4250 Sft. in Second Floor (Plat Nos. 8 & 9-A, Door No. 5 Greams Road, Madias-6) (Doc. No. 345/77).

> K PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

# FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.5619/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- bearing

Plot No. 8 and 9-A, situated at

Door No. 5 Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

JSR F Madras (North) (Doc. No. 346/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker 2. Shri M. Thirunavukkarasu
  - Shri M. Anandan
     No. 1 First Link Street, CIT Colony, Madras-4;
  - Shri T. Govindaswamy No. 62-B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) Mrs. Assina W/o Shri K. A. Sulaiman No. 124, Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share in land area of 9954 Sft. and Plinth area—4250 Sft.—in First Floor (Plot No. 8 & 9-A, Door No. 5 Greams Road, Madras-6).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F. 5619/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot Nos. 8 and 9-A. situated at Door No. 5 Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I Madras North (Doc. No. 347/77) in June 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri M. Murugesa Naicker
 Shri M. Thirunavukkarasu
 Shri M. Anandan
 No. 1 First Link Street, CIT Colony,

Madras-4;

Shri T. Govindaswamy No. 62-B Mowbrays Road, Madras-4.

(Transferor)

Shri K. A. Sulaman S/o late Shri K. E. Adam No. 124, Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons wihin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share in land-area of 9954 Sft.; Plinth area-4250 Sft. in Ground floor. (Plot Nos. 8 and 9-A) (Door No. 5 Greams Road, Madras-6) (Doc. 0. 347/77).

> K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 28-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. 5649 / June /77 .-- Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5 Greams Road, Madras, situated at (Carpet area of 3425 Sft. in I Floor and 1/12th share in Plot Nos. 11 and 12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

T. Nagar (Doc. No. 381/77) on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) 1. Shri M. Murugesa Naicker

 Shri M. Thrunavukkarasu;
 Shri M. Anandan No. 1 First Link St., C.I.T. Colony, Madras-4.

Shri T. Govindaswamy No. 62-B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) M/s. Radha Offset Press Represented by its partner Shri A. S. Vellaisamy, No. 88 Suryanarayana Chetty St. Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/12th share in land at Plot Nos. 11 and 12—7 Grounds and 1982 Sq. ft. at No. 5 Greams Road, Madrag-6 and a carpet area of 3425 Sq. ft. in I Floor (unfinished).

K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OI: INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. F. 5653/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, Vaidyarama Iyer St., situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 414/77) on June 1977 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Shri S. Ganesha Iyer;
 Shri S. Krishnamurthy;
 Mrs. Kamala Krishnamurthy;
 Mrs. S. Gourie;
 Mrs. Kanthiraman;
 Mrs. Mythili Kaul and
 Shri V. Subramaniyan
 I. Nos. 2 to 7 are represented by
 Shri S. Ganesha Iyer)
 No. 48 Circus Avenue,
 Ist Floor, Calcutta-17.

(Transferor)

M/s. P. B. Lakshmana Sah & Bros.
 Shri P. B. Thulasi Sah;
 Shri P. B. Lakshman Sah;
 Shri P. B. Kasse Sah;
 Shri P. T. Hiru Sah;
 Shri P. K. Narayan Sah,
 No. 109 Aiya Mudali Street,
 Chintadripet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 Grounds (with building) situated at No. 2 Vaidyarama Iyer Road, T. Nagar, Madras-17.

K. PONNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Y. Venkanna Chowdary 20 North Boag Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. Madras Chemicals and Polyesters P. Ltd. No. 7 Second Street. Sopalapuram (South), Madras-86.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. F. 5655/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

60/3 Arcot Road, situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. No. 766/77) on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattices has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building situated at No. 60/3 Arcot Road, Madras (Doc. No. 766/77---Kodambakkam).

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-2-1978

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th February 1978

Ref. No Acq F No. 603—Whereas, I, N K. NAGA RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 22/412 situated at Masula

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Masula on 13-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Cherukuri Amarababu, GPA holder Sri M. V. Raghavaiah Chowdary, 14/312, Edepally, Masula

(Transferor)

(2) Sri Palakurti Sriramulu, S/o Satyanaiayana, Cloth Merchants, Main Road, Masula.

(Transferec)

- (3) 1 Ratna Timber Dept,
  - 2. Md Saleha,
  - 3. Asst. Agil Officer (Godowns), Masula

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULF

The schedule property as per registered document No 1881/77 registered before the Sub-registrar, Masula during the fortnight ended on 15-6-1977

N K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range Kakinada

Date : 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th February 1978

Ref No. Acq. No. 604—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22/412 situated at Masula

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Masula on 27-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Cherukuri Anand Babu, GPA holder Sri M. V. Raghavaiah Chowdary, 14 '312', Fdepally Masula

(Transferoi)

(2) Sri Palakurti Srinamulu, S/o Satyanarayana, Cloth Merchants, Main Road, Masula.

(Transferee)

(3) 1. Ratna Timber Dept,
2. Md. Saleha,
3. Asst. Agrl. Officer (Godowns),
Masula.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2267/77 registered before the Sub-registrar, Masula during the fornight ended on 30-6-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-2-1978

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 605.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22/412 situated at Masula

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Masula on 18-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
16—506G1/77

(1) Sri Cherukuri Vidyadevi, GPA holder Sri M. V. Raghavaiah Chowdary, 14/312, Edepally, Masula.

(Transferor)

(2) Sri Palakurti Sriramulu, S/o Satyanarayana, Cloth Merchants, Main Road, Masula.

(Transferee)

(3) 1. Ratna Timber Dept,

2. Md. Saleha,

 Asst. Agrl. Officer (Godowns), Masula.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2046/77 registered before the Sub-register, Masula during the fornight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authorn
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 14th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 606.—Wheeras, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22/412 situated at Masula

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Masula on 26-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri H. Laxmidevi, GPA holder Sri M. V. Raghavaiah Chowdary, 14/312, Edepally, Masula.

(Transferor)

(2) Sri Palakurti Sriramulu, S/o Satyanarayana, Cloth Merchants, Main Road, Masula.

(Transferee)

(3) 1. Ratna Timber Dept.

2. Md. Saleha,

3. Asst. Agrl. Officer (Godowns), Masula.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2786/77 registerded before the Sub-registrar, Masula during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 609.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9-5-54 situated at Royapeta, Narasapuram (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasapuram on 1-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S/Shri

1. Tivari Ksheerasagara Prasad,
2. T. Rajendraprasad M/G father Ksheerasagara
3 T. Vishunprasad Prasad, State Bank
4. Roofram Prasad Street, Narasapuram
(Transferor)

(2) Shri Mosses Sikile, Narasapur Now at Y.M.C.A., Salisburg Road, Kowloon, Hongkong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1444/77 registered before the Sub-Registrar, Narasapur during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 16-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 216/77-78.—Whereas, J, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

8-2-26 to 230 situated at Red Cross Road, Clock Tower, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 3-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Mrs. Mercie Muriel Bedell, W/o Maj. Desmond Bedell, Ritge House, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

Sri L. Karshandas,
 S/o Ladhabhai,
 8-2-226 at Red Cross Road,
 near Clock Tower,
 Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Promises No. 8-2-226 to 230 (Old No. 73/A/1) situated at Red Cross Road, near Clock Tower, Secunderabad, registered vide Doc. No. 850/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC No. 217/77-78.--Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shop No. 57 and 58 situated at M. No. 1-7-239/2 and 239/22 S. D. Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 21-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sri Gangaram Kishinchand,
 H. No. 1-3-234 to 241 Sarojini Devi Road,
 Secunderabad.

(Transferor)

S/Shri

(2) 1. Shri Boppana Venu,
H. No. 225-A West Maredpally,
Sccundcrabad.
2. Sri Durgaraju Ranga Rao,
Bhimavaram Village Madhira Tq.
Khanma, Dist.
(at present at Hyderabad).
3. Sri Kondapalli Prabhu Kumar,
1-9-285/4/3 Vidyanagar,
Hyderabad-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shops bearing Nos. 57 and 58 in (M. No. 1-7-239/21 and 1-7-239/22) in the ground floor of Chandralok Complex M. No. 1-7-234 to 241 at Sarojinidevi Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Ref. No. RAC. No. 218/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

Hyderabad, the 9th February 1978

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-361/18 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad on 26-6-1977

## for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri A. Shanta Varma Reddy, S/o A Veera Reddy, Agriculturist, Annaram Village Narsapur-Tq., Medak-District.

(Transferor)

(2), Sri M. R. Vijaya Kumar
 S/o M. Rajeswara Rao,
 H. No. 3-6-361/13 Behind Lady Hydri Club,
 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Double storied building No. 3-6-361/18 Behind Lady Hydri Club, Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1469/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date; 9-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Husmathunnisa Begum, W/o Sri Aijaz Mohd Khan, H. No. 3-5-1098 Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt, Kovela Shanta W/o N. V. Suryanarayana Rao, H. No. 3-5-267 at Vittal Wadi, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 219/77-78.—Whereas, T, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3-5-1097 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said inctrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building No. 3-5-1097 situated at Narayanguda, Hyderabad registered vide Doc. No. 1536/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 220/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 140/11 situated at Tirupala, Thirupathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathy on 20-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whiche ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- 1. Panduranga Ramacharyulu, S/o Sri Srinivasacharyulu,
   2. Srinivasa Murthy,
   3. Sri-Madhava,
  - 4. Sri Jayathirth, Minor, G.P.A. Ramachryulu, father, All residing at Shivaji St., Mangalagiripeta, Dharwar, Karnataka-State.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalaxi Padmavathamma, W/o Sri K.M. Krishnaiah, Business, Thirumala, Thirupathy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Door No. 140 at West Mada Street, Tirumala, Thirupathy, registered vide Doc. No. 1186/77 with the Sub-Registrar, Thirupath.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE. **HYDERABAD** 

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 221/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section .269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 140/11 situated at Tirumala, Thirupathy.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thirupathy on 10-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

17---506GI/77

S/Shri

- (1) 1. Panduranga Ramacharyulu,
  - S/o Szinivasacharyulu,
  - 2. Srinivasamurthy,
  - 3. Madhaya,
  - 4. Jayathirtha, minor, guardian, father,

All residing at Shivaji St.,

Mangalagiripeta, Dharwar, Karnataka-State.

(Transferor)

(2) Sri K. M. Krishniah. S/o Kamalaxi Munaswami, Thirumala-Village, Thirupathy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building No. 11/140 at Thirupathi St. Thirumala-Village, Thirupathy, registered vide Doc. No. 1187/77 with the Sub-Registrar, Thirupath.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# **GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-**SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 222/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot in S. No. 661-2 Kadiri situated at Kadiri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadiri on 8-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri
1) 1. Name Ramachandraiah, Chetty,
Post Office Road, Kadiri,

Post Office Road, Kadiri, 2. Sri V. Abdul Subhan Saheb, Post Office Road, Kadiri.

(Transferor)

S/Shri
(2) 1. Ambee Audimurthy,
Jonkupallam Street, Kadiri,
2. Sri Agisam Veerappa, S/o Subbaiah,
Railway Station Road, Kadiri,
Hindupur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot admeasuring 2372 Sq. Yds. in S. No. 661.2 situated at Kadiri, registered vide Doc. No. 1945/77 with the Sub-Registrar Kadiri.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACOUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 223/77-78.--Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No.7 situated at Karamkambadi Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thirupathi on June 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Sri Vengudi Venugopal, At Railway Stonepet, Govindarajo-Mudalier Street, Renugunta, Chittoor-Dist.

(Transferor)

(2) M/s. P. R. Gopalakrishn Reddy & Co. Represented by Sri P. R. Gopal Krishnarcddy, Partner, H. No. 4-1-917 Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Dry land in S. No. 7 situated at Karakambadi Village, Chandragiri Tq., Chittoor Dist. admeasuring 9.44 Acrs, registered vide Doc. No. 1207/77 with the Sub-Registrar Thirupathi

K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### Sri Chella Ramajah, H. No. 3-6-369/B/4 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

Sri Tunu .Srinivas Reddy,
 S/o T. Vankat Ramareddy,
 H. No. 4-1-738/1 Mozamaahi Market,
 Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 224/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-2-343/B situated at Gaganmahal, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-6-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot bearing M. No. 1-2-343/B situated at Gagan-mahal, Hyderabad, admeasuring 580 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1403/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 225/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6-3-550/3 situated at Somajiguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June 1977

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Zubeda Begum, W/o Sri Yasin Ali Khan, Retd. Income-tax Inspector, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Tara Chand Solanki, H. No. 6-3-550/3 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 6-3-550/3 at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1410/77 with the SubRegistrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 226/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

10-3-696 situated at Vijaynagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of in th Office of the Registering Officer at 1908) Khairtabad on 10-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- S/Shri (1) 1. K. Bach Raj S/o Kishanlalji, H. No. 4-1-1055 at Bogulkunta, Hyderabad.
  - 2. Mrs. S. Grace Albert W/o Mr. S. Albert Johan, H. No. 10-3-696 at Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt.U.Theresamma W/o U. Shour Reddy, R/o Veligonda, Post, Mahaboobnagar Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 10-3-696 at Vijayanagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1447/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 227/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 6-3-609/141 situated at Anandanagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :-

S/Shri Smt. K. Someswari, W/o K. S. N. Reddy, by G.P.A. M. K. Pasha, IC-36 Erram Manzil Colony, Hyderabad. K. S. N. Reddy, Divisional Engineer, A.P.S.E.B. Srikakulam,

3. K. Appalaswamy,
4. K. S. S. Prasada Rao,
5. K. V. Ramana Murthy,
S. No. 3 to 5 Represented by G.P.A.
Sri K. S. N. Reddy, S. No. 2.

(Transferor)

(2) 1. Smt. K. Manemma, H. No. 6-3-609/141 at Anandanagar, 2. Sri K. Narsimloo, 6-3-609/141 Anandanagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6-3-609/141 at Anandanagar, Hyderabad, restered vide Doc. No. 1589/77 with the Sub-Registrar gistered Khiartabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 228/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

Authority under section the competent of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1483 situated at Jangambazar, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- 1. Sri Kokala Ansooja Bai W/o K. Narayana, H. No. 6987, Raja Mudaliar Street, Secunderabad.
  - 2. K. Narayana, H.No. 6987 Rajendaliar Std Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Puranmal & Co., Represented by its partner Sri Naresh Kumar, H. No. 21-1-588, Rekabgunj, Hyderabad-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Malgi No. 1483 (New No. 3-4-351) at Jangam Bazar, Secunderabad registered vide Doc. No. 939/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 229/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-10-52 situated at Begumpet, Secunederabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) Sri Kolam Janardhan Reddy (H. No. 1-10-52 Begumpet, Secunederabad) presently residing at Dhandi Malkapur Village, Ramanapet, Tq., Nalgonda Dist.

(Transferor)

(2) Sri Saama Anantha Reddy S/o S. Mara Reddy,
 R/o (Amadapur Village, Chevella-Tq.,
 Hyderabad District).
 H. No. 1-10-52 at Bebumpet Secunederabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 1-10-52 (Old No. 82) at Begumpet, Secunderabad admeasuring 1115 Sq. Yds, registered vide Doc. No. 840/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

Scal:

18-506GI/77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Vemula Vishwanatham, S/o V. Naganna, H. No. 7-2-103 at Sajanlal Street, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Bai W/o Satayanarayana Sharma, H. No. 21-2-93 at Charkaman, Shambai Lane, Hyderabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No 230/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-4-349, 350 situated at Tobaccobazar, Secunderbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (d) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULL

Mulgics Nos. 3-4-349 and 3-4-350 (Old No. 1483) at Tobacco Bazar, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1116/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ret. No. RAC. No. 231/77-78.—Whereas, I K S. VFNKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1 situated at Srinagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 1-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri P. K. Amar, H. No. 140 at Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Kesava Rao, H. No. Plot No. 1 in Kesavanagar, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

(4) Life Insurance Corporation of India, Hyderabad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Newly constructed house in Plot No. 1 of Kesava Cooperative Housing Society, Srinagar Colony, Hyderabad registered vide Doc. No. 1382/77 with the Sub-Registrar Khairtabad

K. S. VENKA FARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 10-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 232/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3,139 Half share situated at Gotlur Village, Dharmavaram Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 15-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :-

S/Shri

(1) 1. Renigunta Seshiah, 2. R. S. Krishnayya, 3. R. Aswathanarayan,

4 R. S. Nagaraju, 5. R. Venkatarathnam,

6. R. Ravindranath,

All residing at Chennakesava Swamy Temple, Dharmavaram, Ananthapur Dist.

(Transferoi)

\$/Shri

(2) 1. Renigunta Ratnam,
2. Smt. R. Rajamma, W/o Ratnam,
3. R. V. Aswathanarayana, minor Son of Ratnam.

4. R. Mallikarjuna Rao,

All residing at P.R.T. Street, Dharmavaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Half share in Mill premises bearing Door No. 3/139 situated at Gotlur Village, Dharmavaram-Tq. Ananthapur-Dist, registered vide Doc. No. 491/77 with the sub-Registrar. Ananthapur.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC No. 233 77-78.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

T.S. No. 472 situated at Tirupathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tirupathi on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

S/Shri

(1) I. Kothapally Ramakrishna Chetty.

2. Smt. K. Kamalamma W/o K. Ramakrshna Chetty

3. Ramakrishan Raman.

4 Ramakrishnakrishnan. 5 Ramakrishna Srinivasan.

All residing at D.I.G Bungle. Up lands, Visakapatnam.

(Transferor)

(2) Sri Parpalli Venkata Subbaiah. Superintendent, T.T.D. Devasthanam. Govindarajanagas. Thirupathi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site 528 Sq. Yds. T.S. No. 472 situated in Thirthkatta, 18th Ward Ghandhinagar, Thirupathi, registered vide Doc. No. 1073/77 with the Sub-Registrar Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kanta Jain w/o Shri Parduman Kumar Jain r/o 3/53, Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(2) S/Shri Harbans Singh, Horbinder Singh, Se/o Shri Beant Singh Kohli, 3/3 Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA (3) M/s. Reguna Re-

(3) M/s. Reguna Restaurant, 2. Smt. Swaran Kanta 3. Shri Malkiat Singh 4. Shri Udham Singh,

(Person in occupation of the property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/4A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI-I(110001)

New Delhi, the 7th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1300/77-78/.—Whereas, I. N. S. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G-1 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on 24-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed commercial building built on a three side open free-hold plot measuring 500 sq. yds. bearing No. G-1 situated at Model Town, Delhi and bounded as under:—

South: Road

North: Building on plot No. G-2

East: Road

West : Service Lane.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 7th March 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 7th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/61/June-I(6)/77-78/.—Whereas, I, J. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-132, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kulbir Singh Sara, S/o Shri Dara Singh, R/o 23, Havelok Road. Kanpur Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Raj Chopra, S/o Shri K. C. Chopra, R/o S-210, Greater Kailash-1, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A free-hold plot No. 132 Block No. 'C' measuring 310,2 Sq. yds. situated in residential colony known as Greater Kailash-I and bounded as under:

East : Plot o. C-130 West : Plot o. 134

North: Road South: S. Lane

J. S. GILI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi.

Date: 7-3-1978

# PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/679(7)/77-78.—Whereas, I, A. I., SUD.

being the Compentent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing No.

13/29, M. No. 10615 situated at Naiwala, Karol Bagh. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 25-6-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurdip Kaur D/o Shri Tirlok Singh R/o 11/10, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sobha Rani
 W/o Shri B. D. Mehra
 R/o A-4, Grenter Kailash Enclave. Part-II,
 New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 13/29, Municipal No. XXI/10615 Naiwala, Karol Bagh, New Delhi measuring 280 sq. yds. bearing Plot No. 29, Block No. 13 (WEA) Khasra No. 1531/1147, purported to be a 21 storeyed building and bounded as under:

North: Service Road

South : Gali

East: House on Plot No. 30

West: House on Plot No. 28

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 7-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 3rd March 1978

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR-III/62/June-II(8)/77-78.—Whereas, I, J. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S-67 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on 4-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Atlas Over Seas (P) Ltd., E-I/2, Jhandewalan Extension, Delhi-5.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Parimoo W/o Shri P. L. Parimoo "Girdhar", R/o 30 Sourabh Society, Drive Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. S-67 measuring 300 sq. yds., situated in the Freehold colony known as Greater Kailash-Il, New Delhi and bounded as under:

Back: Service Lane Left: Plot No. 66 Right: Plot No. 68 Front: Road 40' wide.

> J. S. GILL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi-1(110001)

Date: 13-3-1978.

(1) Shri Pratul Kumar Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subimal Pal.

(Transferee)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

IAC: ACQ. RANGE: IV: CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1978

Ref. No. AC-34/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 208/1A, situated at Barrackpore Trunk Road (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-6-77

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 7 cottahs 9 chittaks 43 sft. situated at 208/1A, Barrackpore Trunk Road, P. S. Baranagar, 24-Pgs., more particularly as per deed no. 5563 P of 1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-2-1978.